हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

चतुर्योग में आज विराजेंगे बुद्धि के देवता श्री गणेश

स्थापना करने मिलेंगे शुभ संयोग

दिनभर में कई मुहूर्त

- सिंह लग्न में सुबह 7.15 बजे तक स्थापना कर सकते है
- वृश्चिक लग्न में सुबह 11.37 से दोपहर 1.52 बजे तक
- कुम्भ लग्न में शाम को 5.46 से रात 7.21 बजे तक
- वृषभ लग्न में रात 10.35 से मध्यरात्रि 12.34 बजे तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के अवसर पर बुधवार को शुक्ल योग भी है। जीवन में प्रगति और लोकप्रियता के साथ ही स्थिरता प्राप्त करने के लिए इस दिन बुद्धि के देवता श्री गणेश का स्थापना करना लाभदायक रहने वाला है। शहर के ज्योतिषाचार्य डॉ. दत्तात्रेय होस्केरे बताते हैं कि भारतीय आध्यात्म में मनुष्य की भावना और बुद्धि दोनों में सामंजस्य को महत्व दिया है। सदैव समय के अनुसार शक्ति का उपयोग करके आसुरी और नकारात्मक प्रवृतियों के अंत के लिए प्रयासरत रहती है।

सतयुग में सत्य के प्रतिनिधि देव, महादेव शिव और उनकी अर्द्धांगिनी शक्ति स्वरूपा मां पार्वती की संतान के रूप में जब गजानन का अवतरण हुआ तो, इसका उद्देश्य मानव जीवन का कल्याण जब भी ▶▶ शेष पेज 7 पर

भद्रा का प्रभाव गणेश स्थापना पर नहीं

गणेश चतुर्थी को चन्द्र दर्शन वर्जित है। चन्द्र दर्शन करने से मिथ्या आरोप लगता है। ऐसा शास्त्रों में बताया गया है। चंद्रोदय रात 9.01 बजे से प्रभावी है। वहीं दोपहर 3.45 तक भद्रा है। भद्रा का प्रभाव इसलिए प्रभावी नहीं होगा क्योकि चन्द्र कन्या राशि में है। मुहूर्त ▶▶ शेष पेज 7 पर

शुभ संयोग भक्तों के लिए उत्तम फलकारी

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस साल भक्तों को गणेश स्थापना के लिए शुभ योग, आनंद योग, रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में गणेश की पूजा और स्थापना के लिए दिनभर में कई मुहूर्त मिल रहा है, जो उत्तम फलकारी है। शास्त्रों में गणेश को एकदंतो महबु द्धिः' कहा गया है अर्थात एकदंत ने समस्या के समाधान के प्रतीक अपने गजशीश के दोनों दांतों ▶▶ शेष पेज 7 पर

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹73682/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹89990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹98232/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand jewels Pandri, Raipur

अमेरिका ने जारी किया नोटिफिकेशन, भारत से करीब 48 अरब डॉलर का निर्यात होगा प्रभावित

50 फीसदी ट्रंप टैरिफ लागू...अमेरिकी संकट से निपटने पीएम हाउस में मैराथन मंथन

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने को लेकर आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नोटिस जारी किया है। इससे पहले 7 अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया था। नए शुल्क 27 अगस्त को भारतीय समय अनुसार सुबह 9.31 बजे से लागू होंगे। ट्रंप के इस फैसले से अमेरिका को भारत के 48 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के निर्यात पर असर पड़ेगा। इधर, अमेरिकी टैरिफ से निपटने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्चस्तरीय बैठक ली।

तिरुपुर, नोएडा, सूरत की निर्यात इकाइयों ने उत्पादन रोका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/वाशिंगटन

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू करने की योजना का विवरण देते हुए एक मसौदा नोटिस जारी किया है। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर वर्तमान में 25 प्रतिशत शुल्क पहले से ही लागू है। रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद के कारण 27 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जा रहा है।

अमेरिकी गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त, 2025 को 'ईस्टर्न डेलाइट टाइम' (ईडीटी) के अनुसार रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए (देश में) लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है। बशर्ते कि उन्हें ▶▶ शेष पेज 7 पर

पुतिन पर दबाव बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दांव

48.2 अरब डॉलर के व्यापारिक सामान पर अतिरिक्त शुल्क

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका को भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 48.2 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापारिक सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए भारत पर पाबंदियां लगाई हैं।

55% उत्पाद क्षेत्रों पर टैरिफ का असर

ट्रंप टैरिफ का असर अमेरिका के लिए होने वाले भारत के 55% उत्पाद क्षेत्रों के निर्यात पर हो सकता है। इसमें कपड़े, ज्वेलरी, लेदर प्रोडक्ट, खिलौने, केमिकल, मशीन टूल, प्लास्टिक, मरीन प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

ट्रंप ने चार बार किया फोन लेकिन पीएम मोदी ने नहीं उठाया

टैरिफ लागू होने से पहले बड़ी ही महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट में ये दावा किया है कि ट्रंप ने बीते सप्ताह में कुल करीब चार बार पीएम मोदी को फोन कर उनसे बात करने की कोशिश की थी। लेकिन मोदी ने एक बार भी ट्रंप का फोन नहीं उठाया। जिससे दोनों के बीच तनाव बढ़ गया।

टैरिफ वार से निपटने पीएम मोदी ने ली बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम यूएस टैरिफ से निपटने की तैयारियों पर अहम बैठक बुलाई। इस बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ ही कई वरिष्ठ मंत्री और फाइनेंस एवं कॉमर्स मिनिस्ट्री के बड़े अधिकारी मौजूद रहे। सरकार जल्द ऐलान कर सकती है, ताकि भारतीय निर्यातकों को राहत देने के साथ-साथ वैकल्पिक बाजारों की तलाश में मददगार हों। पीएम मोदी की यह बैठक उनकी दो बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों, जापान और चीन की इस महीने के आखिर में होने वाली यात्रा से पहले हुई।

अनुचित और अन्यायपूर्ण

भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को अनुचित और अन्यायपूर्ण करार दिया है। मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं और राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस से तेल आयात कर रहा है, जिसे अमेरिका ने पहले ग्लोबल एनर्जी मार्केट की स्थिरता के लिए प्रोत्साहित किया था। भारत सरकार अमेरिका पर तत्काल जवाबी टैरिफ लगाने के बजाय कूटनीतिक बातचीत और निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन जैसे उपायों पर विचार कर रही है।

14 न्यायाधीशों का तबादला

जस्टिस संजय जाएंगे इलाहाबाद, जस्टिस अतुल आएंगे छत्तीसगढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने देशभर के अलग-अलग हाईकोर्ट के 14 न्यायाधीशों का तबादला किया है। इस सूची में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के भी एक-एक जज शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के प्रस्ताव पर स्वीकृति के बाद ट्रांसफर सूची जारी की गई है। इसमें छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय एस अग्रवाल का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में किया गया है। उनकी जगह मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन को भेजा गया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 14 हाईकोर्ट जजों का ट्रांसफर आदेश जारी किया है। ध्यान रहे कि जस्टिस संजय एस. अग्रवाल बार काउंसिल कोटे से जज बने थे और अब तक बिलासपुर हाई कोर्ट में ही पदस्थ थे। ▶▶ शेष पेज 7 पर

जस्टिस अतुल श्रीधरन

इनका हुआ ट्रांसफर

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम द्वारा सोमवार को स्वीकृत इस निर्णय का उद्देश्य न्यायिक कार्यप्रणाली को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न हाईकोर्ट्स में जजों का संतुलित वितरण सुनिश्चित करना है। दिल्ली से विधिक समाचार स्त्रोत से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सूची में न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन – मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट न्यायमूर्ति संजय अग्रवाल – छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट न्यायमूर्ति जे. निशा बानू – मद्रास हाईकोर्ट से केरल हाईकोर्ट , न्यायमूर्ति दिनेश मेहता राजस्थान हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति अवनीश झिंगन (पीएचसी, पंजाब एवं हरियाणा) – राजस्थान हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति अरुण मोंगा (पीएचसीः ▶▶ शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से जिंदा जला

इटावा। इटावा जिले के चौबिया थाना क्षेत्र में बीच सड़क पर टूट कर गिरे हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मंगलवार को बाइक सवार एक युवक की जिंदा जलकर मौत हो गई। बाइक से फेरी लगाकर गांवों में कॉस्मेटिक एवं घरेलू सामान बेचने वाला जिले के मुगलपुरा का रहने वाला तस्लीम (35) मंगलवार सुबह बनी हरदू गांव की ओर जा रहा था, तभी गांव के मोड़ पर टूट कर गिरे हाइटेंशन तार की चपेट में आ गया।

चार किलो हाइब्रिड गांजा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

कोच्चि। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार को त्रिशूर के एक व्यक्ति के पास से चार किलोग्राम से अधिक हाइब्रिड गांजा बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह व्यक्ति (27) बैंकॉक से यहां पहुंचा था। सीमा शुल्क कर्मियों ने नियमित जांच की, जिससे उसके बैग से हाइब्रिड गांजे के चार पैकेट मिले। इन्हें सीलबंद पैकेटों में भरा गया था ताकि गंध बाहर तक ना आए। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

महिला और प्रेमी को पीटकर कुएं में फेंका

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले में एक विवाहित महिला और उसके कथित प्रेमी को उसके परिजनों ने बेरहमी से पीटा। फिर दोनों को एक कुएं में फेंक दिया। महिला का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि उसके कथित प्रेमी की तलाश जारी है। इस मामले में महिला के पिता, चाचा और दादा को हिरासत में लिया गया है। दोनों पीड़ितों की उम्र का पता लगाया जा रहा है। महिला की शादी करीब एक साल पहले हुई थी।

फुर्सत में 52 हाथियों का दल...

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत सखोदा परिसर कोरबी क्षेत्र में 52 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। इस झुंड में बेबी एलीफेंट भी शामिल हैं। हाथियों के इस झुंड में मां की गोद में छोटे-छोटे शावक आराम फरमाते नज़र आए। इस अद्भुत दृश्य को वन परिक्षेत्र अधिकारी केंदई अभिषेक कुमार दुबे ने कैमरे में कैद किया। वर्तमान में वनमंडल कटघोरा में लगभग 52 हाथियों का दल है। ये हाथी मुख्यतः केंदई एवं पसान परिक्षेत्र में सक्रिय रूप से विचरण कर रहे हैं। वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए मानव-हाथी संघर्ष की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सके। साथ ही, ग्रामीणों से अपील की गई है ▶▶ शेष पेज 7 पर

बंद कमरे में मरीज को चीरा लगाकर भाग निकले झोलाछाप डॉक्टर, खून से लथपथ युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गरियाबंद

गरियाबंद में झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के बाद एक युवक की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि इलाज के नाम पर झोलाछाप ने मरीज से 30 हजार रुपए में ठीक करने का सौदा किया था। प्रकरण में मर्ग कायम कर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

जिला मुख्यालय से 4 किमी दूर पर स्थित पेंड्रा गांव में 40 वर्षीय पुरुषोत्तम ध्रुव की मौत गलत उपचार से हो गई। बवासीर की शिकायत पर पीड़ित का उपचार ओडिशा सीमा में रहने वाले दो झोलाछाप डॉक्टरों ने शुरू किया था। बंद कमरे में मृतक के घर पर ही इलाज किया जा रहा था। ▶▶ शेष पेज 7 पर

असावधानी पूर्वक लगाया था चीरा

बगैर किसी सावधानी के मल द्वार में चीरा लगाया गया। नस कटने से खून ज्यादा निकला, जिसके कारण पीड़ित की मौत हो गई।

-हरीश चौहान, चिकित्सा अधिकारी

जांच के बाद होगी कार्रवाई

मामले में कोतवाली थाने में मर्ग कायम किया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

-जितेंद्र चंद्राकर, एएसपी

बंद कमरे में तड़पता छोड़ भाग गए

मृतक के भाई धरम राज ध्रुव ने बताया कि भाई बवासीर से ग्रसित था। अस्पताल में इलाज के लिए संकोच किया। गुप्त रोग उपचार के लिए छापे गए पर्चा के आधार पर हमने बबलू तांडी और संजू राजपूत से संपर्क किया, दोनों अमलीपदर थाना क्षेत्र में कही रहते हैं, पर रहने वाले ओडिशा नवरंगपुर जिले के हैं। 20 अगस्त को उपचार शुरू हुआ। इलाज के लिए 30 हजार में सौदा किया। शुरू के दो दिन तक 20 हजार रुपए दो किस्तों में ले चुके थे। 23 अगस्त ▶▶ शेष पेज 7 पर

खराब कार बेचने का मामला

शाहरुख-दीपिका समेत छह पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भरतपुर

राजस्थान के भरतपुर में एक कार मालिक ने फिल्म स्टार शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और हुंडई कार एजेंसी के छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। मामला तकनीकी रूप से खराब कार बेचने से जुड़ा हुआ है। थाना मथुरा गेट क्षेत्र के अनिरुद्ध नगर निवासी 50 वर्षीय कीर्ति सिंह ने बताया कि उन्होंने 14 जून 2022 को हरियाणा के सोनीपत स्थित मालवा ऑटो सेल्स प्राइवेट लिमिटेड से हुंडई अल्काजार कार खरीदी थी, लेकिन खरीद के तुरंत बाद ही कार में तकनीकी खराबियां आने लगीं।

नई कार खरीदते ही आई तकनीकी खराबियां

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एजेंसी अधिकारियों और कंपनी के ब्रांड का प्रचार करने वाले फिल्मी सितारों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से डा. हिमांशु द्विवेदी की खास मुलाकात

कांग्रेस ने किया हमेशा भेदभाव, इसलिए भाजपा में गया, सीएम ने खोला समाज के लिए खजाना

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कांग्रेस ने हमेशा ही हमारे समाज के साथ भेदभाव करने का काम किया है। एससी वर्ग के राष्ट्रीय अधिवेशन में अपनी बात रखने के बाद भी समाज के लिए कोई योजना नहीं बनाई गई। इसलिए मैंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थामा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के नारे पर चलते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार हमारे समाज के लिए काम कर रहे हैं। एक अलग एससी विभाग बनाकर उसका भी मुझे मंत्री बनाया गया है। समाज के लिए प्रदेश की सरकार ने खजाना खोलने का काम किया है, जबकि कांग्रेस सरकार में समाज के लिए एक पैसा नहीं मिला। यह कहना है हाल ही में साय मंत्रिमंडल में शामिल किए गए गुरु खुशवंत साहेब का। हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की साथ खास मुलाकात के अंश।

- **मंत्री बनने का मौका मिलने पर कितना चौंके ?**
- ऐसी कोई सोच नहीं थी कि पद मिलेगा, इतना सम्मान मिलेगा। हमारी तो सोच जन सेवा करने की है। हमारा परिवार शुरू से ही जन सेवा से जुड़ा रहा है। बाबा गुरु घासीदास के संदेश और उद्देश्य को बचपन से ही जीवन में उतारा है। उसी के कारण लगातार अपने पिता के साथ सामाजिक कार्यक्रमों में जाना होता रहा है। हमारी कोई अपनी महत्वाकांक्षा नहीं है। हमारा सोचना है बस लोगों को उनका हक मिल जाए। अपना प्रदेश उन्नति करे।

- **जिस चेहरे मोहरे में आप कॉलेज जा सकते हैं, उसमें मंत्री बन गए, कितना भरोसा कर पा रहे हैं, अपने आप पर ?**
- कॉलेज की पढ़ाई की है। युवाओं के साथ जुड़े रहे हैं। युवाओं की समस्या को जानते हैं। भाजपा ने एक युवा चेहरे को आरंग से टिकट देने का काम किया। वहां से जीत मिली और अब भाजपा बड़ी-बड़ी जिम्मेदारी दे रही है। इसको निष्ठा से निभाने का काम करेंगे।
- **आपको विभाग मिला है तकनीकी शिक्षा, गुरु का तकनीकी शिक्षा से क्या काम ?**
- मैंने बीटेक किया है फिर एमटेक भी किया है। अब पीएचडी भी कर रहे हैं। इस विभाग की पढ़ाई की है। मैं अपने को खुशनसीब मानता हूं कि मुझे ऐसा विभाग मिला है। इसके लिए मैं शीर्ष नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देता हूं कि मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।
- **आपके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत कहां से हुई ?**
- मेरे पिता ने लगातार सामाजिक कार्य किए हैं। लगातार सामाजिक कार्यों को लेकर दौरा किया है। समाज के लिए जान की बाजी लगाने तक का काम किया है। पिता जी को देखकर मैं भी सामाजिक कार्यों से जुड़ा।

▶▶ शेष पेज 7 पर

डीजे से बच्ची की मौत, ढाई लाख मुआवजा दें: हाईकोर्ट

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने बिलासपुर के स्कूल परिसर में डीजे के लोहे के पाइप गिरने से 3 साल की मासूम बच्ची की मौत पर कड़ी नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि स्कूल। परिसर में डीजे का सामान क्यों रखा गया, क्या वहां नाच-गाना होता है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हाईकोर्ट ने कलेक्टर बिलासपुर से व्यक्तिगत शपथपत्र के साथ घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। साथ ही यह भी पूछा है कि पीड़ित परिवार को अब तक क्या मुआवजा और आर्थिक सहायता राशि दी गई। शासन की ओर से मामले में जवाब देते हुए कहा गया कि 50 हजार रुपए की राशि रेड क्रास सोसायटी द्वारा दी गई

है। हाईकोर्ट ने 2 लाख रुपए की राशि और देने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। दरअसल, घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। बीते 14 अगस्त को परिसर। में खेल रही तीन साल की मासूम मुस्कान महिलांग पर डीजे का लोहे का पाइप गिर गया, जिससे गंभीर रूप से घायल 3 साल के मासूम बच्ची की मौत हो गई।

डीजे संचालक और सहयोगियों पर केस दर्ज

इस दौरान शासन की तरफ से बताया गया कि इस लापरवाही के लिए डीजे संचालक रोहित देवांगन और उसके सहयोगियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। हाईकोर्ट ने इस घटना को बेहद गंभीर मानते हुए बिलासपुर के कलेक्टर को शपथ पत्र पेश करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही शासन से पूछा गया है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही कैसे तय की जा रही है और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

झाड़फूंक खत्म होते ही बेटे ने मां को टुकड़ों में काटा

जशपुरनगर। जिले के कुनकुरी क्षेत्र में मंगलवार की सुबह बेंदरभद्रा बस्ती रेस्ट हाउस के सामने में रहने वाले जीतराम नामक युवक ने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने कुल्हाड़ी से अपनी मां के कई टुकड़े कर दिए। फिर उसी कुल्हाड़ी को हाथ में लेकर शव के पास बैठ रहा। केरल में काम के दौरान उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ने लगी। दो दिन पहले उसे वापस कुनकुरी ले आए। यहां उसकी मानसिक स्थिति सुधारने के लिए बैगा बुलाकर पूजा-पाठ कराया गया। मंगलवार सुबह लगभग 5 बजे पूजा समाप्त हुई। इसी बीच अचानक आरोपी की आंखों में खून उतर आया और उसने कुल्हाड़ी उठाकर अपनी माँ पर ताबड़तोड़ वार करके टुकड़ों में काट डाला।

कुल्हाड़ी से की हत्या, अन्य सदस्य बचे

घटना के समय घर में अन्य परिजन भी मौजूद थे। जब जीतराम ने हमला शुरू किया तो घरवालों ने किसी तरह खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। आसपास के लोगों ने शोर सुनकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से परिवार के बाकी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

चार घंटे की मशक्कत के बाद गिरफ्तारी

करीब चार घंटे तक पुलिस रणनीति बनाती रही। आखिरकार पुलिस टीम ने हिम्मत जुटाते हुए आरोपी को काबू में किया और हथियार छीन लिया। आरोपी को तत्काल कुनकुरी थाने ले जाया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था। परिजन इलाज करा रहे थे, लेकिन उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। पुलिस ने आरोपी की मानसिक स्थिति की जांच कराने का निर्णय लिया है।

विधायक के पीएसओ के घर चोरी, सर्विस रिवॉल्वर और कारतूस गायब, निलंबित

साजा। शहर में सोमवार की रात वीआईपी रोड पर चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोरी की घटना विधायक के पीएसओ ओम साहू और पड़ोस में रहने वाली जनपद कर्मचारी संगीता साहू के घर घटी। चोरों ने पीएसओ की सिर्फ पिस्टल की चोरी की थी। पिस्टल चोरी की सूचना मिलने पर पर पुलिस विभाग ने पीएसओ ओम साहू को गंभीर लापरवाही के चलते निलंबित कर दिया है। विदित हो कि घटना के समय ओम साहू अपने पिता के इलाज के लिए शहर से बाहर थे और उनका परिवार तीज त्योहार के लिए घर गया हुआ था। रात करीब 10 बजे पड़ोसियों को चोरी की जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित किया। पीएसओ घर आया तो देखा कि सर्विस रिवॉल्वर और कारतूस गायब है।

पकड़े गए दो आरोपी: पुलिस की गहन जांच और पूछताछ के बाद, दोपहर करीब 3 बजे दो आरोपियों की गिरफ्तारी की खबर आई। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी शहर के ही अपराधी और नशा करने वाले ओम यादव और सुरेश निर्मलकर हैं। ये दोनों वार्ड नंबर 13 साजा के निवासी हैं और कई बार जेल जा चुके हैं। पुलिस ने इनके पास से पिस्टल और कारतूस बरामद कर लिए हैं।

कामबंदी से प्रभावित हुई व्यवस्था, हमर क्लीनिक में ताला, स्वास्थ्य केंद्रों में सन्नाटा

एनएचएम की हड़ताल, विभाग ने कहा- मांगों पर निर्णय हुआ, पदाधिकारियों ने कहा- आर्डर नहीं मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दस मांगों के लिए चल रही हड़ताल में विवाद की स्थिति बनने लगी है। विभागीय अधिकारियों ने तर्क दिया है कि उनकी मांगों पर निर्णय लिया जा चुका है, मगर पदाधिकारियों का कहना है कि उन्हें इस संबंध में अब तक कोई आर्डर नहीं मिला है। आठ दिनों से उनके काम बंद करने की वजह से स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। गली-मोहल्ले के हमर क्लीनिक में ताले लग चुके हैं और स्वास्थ्य केंद्रों में सन्नाटा पसरा हुआ है।

- **विभाग भी सख्ती के मूड में, सभी सीएमएचओ से मांगी हड़तालियों की जानकारी**

13 अगस्त की बैठक का हवाला देकर मिशन संचालक एवं आयुक्त डॉ. प्रियंका शुक्ला ने इन कर्मचारियों पर सख्ती का मूड बनाया है। उन्होंने तमाम सीएमएचओ को ड्यूटी पर अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी संयुक्त संचालक एनएचएम के कार्यालय में भेजने का आदेश दिया है। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विभिन्न स्तर के 16 हजार कर्मचारियों की वजह से स्वास्थ्य व्यवस्था गड़बड़ा गई है। प्राथमिक उपचार के लिए गली-मोहल्ले में खोले गए हमर क्लीनिक में ताले लग चुके हैं। अन्य प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी व्यवस्था प्रभावित हुई है।

जिला अस्पताल और मेडिकल कालेजों में भी काफी संख्या में नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य कर्मचारी कम हो गए हैं। निचले स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज ठप होने की वजह से मेडिकल कालेजों के अस्पतालों में भीड़ बढ़ चुकी है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे डा. अमित मिरी ने बताया कि अफसर मांगों पर फैसला होने का दावा कर रहे हैं, मगर अब तक इस पर किसी तरह की आदेश कॉपी उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई है।

मोदी की गारंटी खोजने निकले कर्मचारी

नियमितीकरण, ग्रेड पे सहित अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। मंगलवार को तूता के धरना स्थल पर कर्मचारियों ने तख्तियों, बैनरों और मोदी की गारंटी के नारों के साथ रैली निकालकर अपना विरोध जताया। महिला कर्मचारियों ने भी तीजा पर्व के अवसर पर परंपरागत रीति-रिवाज निभाते हुए धरना स्थल पर डटे रहकर आंदोलन का समर्थन किया। एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन जल्द ही उनकी मांगों पर लिखित निर्णय नहीं लेता, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

जिले में रोजाना पांच सौ मरीज प्रभावित

गली-मोहल्ले में खोले जाने वाले एक हमर क्लीनिक में रोजाना औसतन दस मरीज अपनी समस्या लेकर पहुंचते हैं। हड़ताल की वजह से वहां रोजाना पांच सौ से अधिक पेशेंट निराश होकर लौट रहे हैं। वे अपने इलाज के लिए जिला अस्पताल अथवा आंबेडकर अस्पताल की ओर जा रहे हैं और वहां भीड़ से बचने के लिए निजी डिस्पेंसरी में जाकर पैसे खर्च कर रहे हैं। हड़ताल की वजह से आंबेडकर अस्पताल में भी नर्सिंग स्टाफ की कमी हो गई है और उनके द्वारा सीएमएचओ को पत्र लिखकर वैकल्पिक इंतजाम करने की मांग की गई है।

राजधानी में अध्ययनरत लॉ की छात्रा ने की आत्महत्या

जगदलपुर। राजधानी रायपुर के अमेटी विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई कर रही स्थानीय युवती ने सोमवार को अपने घर पर आत्महत्या कर ली। मौके पर मिले सुसाइड नोट में उसने अपने माता पिता को सम्बोधित करते हुए लिखा है कि आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाई इसलिए आत्महत्या कर रही हूं। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच पंचनामा कार्रवाई के बाद शव पीएम के लिए परिवार को सौंपा। मंगलवार सुबह स्थानीय मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। कोतवाली टीआई भोलासिंह राजपूत ने बताया कि युवती के पास से सुसाईड नोट मिला है मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

- **सुसाइड नोट में लिखा, उम्मीदों पर नहीं उतरी खरा इसलिए कर रही आत्महत्या**

MATS UNIVERSITY
Raipur, Chhattisgarh
NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY
Established by Govt. of C.G. vide Chhattisgarh ACT No 29 of 2006

INVITATION OF APPLICATION FOR APPOINTMENT OF VICE-CHANCELLOR
As per Section 17 of Chhattisgarh Private University (Establishment & Operation) Act 2005

Applications are invited in prescribed format from the aspirants for the post of Vice-Chancellor.
As the Vice-Chancellor shall be the Principal Executive and Academic Officer of the University, he must be a person of highest level of competence, integrity, moral and institutional commitment and eminence. The Vice-Chancellor shall hold office for a term of four years, or up to the age of 70 years, whichever is earlier.
Age, Qualification & Experience: As per UGC Regulation 2018.
Those who are qualified as per UGC norms may submit an application along with bio-data in triplicate to the Visitor of the University i.e. HE Governor of Chhattisgarh through Registrar of the University for consideration by the Search-cum-Selection Committee.
The prescribed format of application is available in the University website : **www.matsuniversity.ac.in** Application must reach to the Registrar, MATS University, MATS Tower, Pandri, Raipur-492 004 (C.G.) within 10 days from the date of publication of this advertisement. The envelop should be superscribed **"APPLICATION FOR THE POST OF VICE-CHANCELLOR MATS UNIVERSITY"**, Raipur. Applications received after the last date will not be considered.

- Registrar

रायपुर
बुधवार, 27 अगस्त 2025
भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 24, अंक : 41
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**
मौसम
अधि. 32.3
न्यून. 24.1
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गणेश चतुर्थी की मंगलकामनाएं

सब्सिडी के साथ वेतन भत्ते और पेंशन में कुल बजट का 74 फीसदी खर्च, 26 फीसदी से विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में हितग्राही मूलक योजनाओं यानी मुफ्त की योजनाओं पर तो साल में 33 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं, लेकिन बजट की राशि के खर्चों की बात यहीं तक सीमित नहीं है। सरकार को मुफ्त योजनाओं के अलावा सरकारी कर्मियों के वेतन, भत्ते, पेंशन, अनुदान वगैरह में बजट का कुल मिलाकर 74 प्रतिशत हिस्सा खर्च करना पड़ रहा है। बाकी की 26 प्रतिशत राशि विकास कार्यों में लगाई जाती है। यही कारण हो सकता है कि राज्य सरकार को बड़ी योजनाओं आदि के लिए वित्तीय संस्थाओं से बड़ी-बड़ी रकम लोन में लेनी पड़ती है। सरकार बजट की राशि ▶▶|शेष पेज 7 पर

- हितग्राही मूलक योजना और अनिवार्य व्यय है मजबूरी

हरिभूमि लगातार

खर्च कम करने की कोशिशों के साथ लेना पड़ता है कर्ज

26 प्रतिशत राशि विकास कार्यों पर

सरकार की इनकम का बड़ा भाग करीब 74 प्रतिशत वेतन, भत्ते, छूट, अनुदान में खर्च होने के बाद पूंजीगत व्यय यानि की सड़कें, अस्पताल, बिल्डिंगें, पुल-पुलिया वगैरह पर व्यय किया जाता है। ये सरकार की पूंजी हैं, इसमें और दूसरे विकास के कामों में 26 प्रतिशत पैसा खर्च होता है, मोटे तौर पर कुछ मुख्य सेक्टर हैं जहां सरकार के फंड का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाता है।

छत्तीसगढ़ का बजट 165 लाख करोड़ का, इसमें से 33 हजार करोड़ से ज्यादा मुफ्त योजनाओं पर खर्च

इसलिए ही लेना होता है लोन

छत्तीसगढ़ में हर साल बरसों बरस से बजट के समय ये बातें सामने आतीं है कि सरकार ने इस साल कितना लोन लिया। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, लेकिन लोन लेना सभी के लिए आवश्यक मजबूरी बन गया लगता है। अभी राज्य सरकार पर विभिन्न वित्तीय संस्थाओं का बड़ी मात्रा में उधार बकाया है। इसका आंकड़ा घटता-बढ़ता रहता है, लेकिन इसके साथ ही सरकार के खजाने से एक बड़ी राशि लोन का ब्याज अदा करने में जाती है। बजट के समय दी गई जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार पर 98 हजार 757 करोड़ का कर्ज था।

सरकार जुटी है आर्थिक संसाधन जुटाने में

राज्य सरकार के ये आवश्यक है कि राज्य सरकार के भारी भरकम खर्च का बोझ कम करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए। राज्य सरकार को आबकारी, खनिज, वन, परिवहन सहित अन्य विभागों के माध्यम से राजस्व मिलता है, इसके साथ ही सरकार स्वयं के आय के साधन बढ़ाने के लिए निरंतर कोशिश कर रही है। इसी क्रम में सरकार अपने खर्चों में कटौती करने के लिए नियमित रूप से वित्तीय अनुशासन बनाने की कोशिश में लगी है। अनुपयोगी खर्चों पर लगाम लगाने के निर्देश समय समय पर वित्त विभाग जारी करता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

दिल्ली दंगे और आगजनी केस में छह बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट ने मंगलवार को 2020 दिल्ली दंगों के केस में 6 लोगों को बरी कर दिया है। आरोप था कि ये सभी 25 फरवरी 2020 को दंगे और आगजनी में शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि मामले में आरोपियों के अधिकारों का हनन हुआ है। इसको लेकर पुलिस आयुक्त से कार्रवाई की भी मांग की है।

मणिपुर में 3 उग्रवादी गिरफ्तार, कई हथियार जब्त

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के एक सक्रिय कार्यकर्ता को इंफाल पश्चिम जिले के ताओथोंग खुनोउ इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान ओइनम सोमेनचंद्र सिंह (41) के रूप में हुई है, जो दुकानों और आम जनता से जबरन वसूली में शामिल था।

कार फिसलकर नाले में गिरी, तीन की मौत

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में एक कार सड़क से फिसलकर बरसाती नाले में गिर गई। इससे कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना सोमवार देर रात खेरवाड़ा थाना क्षेत्र के लकोड़ा गांव के पास हुई। मृतकों की पहचान ध्रुव पटेल, लव पटेल और नरेश मीणा के रूप में हुई है। दुर्घटना के समय एसयूवी वाहन में पांच लोग सवार थे।

हेड कांस्टेबल को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने अशोक विहार थाने में तैनात दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल को कथित तौर पर एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। संघीय एजेंसी ने एक शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक उप निरीक्षक और हेड कांस्टेबल राजकुमार मीणा ने शिकायतकर्ता से उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज न करने के एवज में तीन लाख रुपए की मांग की थी।

35 लाख रुपए कीमत की स्मैक जब्त, एक गिरफ्तार

अमेठी। जिले की कमरौली पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 315 ग्राम स्मैक बरामद किया। इसकी कीमत करीब 35 लाख रुपए आंकी गई है। नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत आज थाना कमरौली पुलिस ने वाहनों की जांच के दौरान अभियुक्त अरशद अली उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया।

बस्तर में भारी बारिश, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में तबाही

बीजापुर से 100 गांवों का टूटा संपर्क
वैष्णोदेवी मार्ग पर भूस्खलन, नौ की मौत

देश के कई राज्यों में भारी बारिश से तबाही मची है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर गंगालूर मार्ग में पानी भर जाने के कारण 100 अधिक गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया। हिमाचल में कई दुकानें और इमारतें ढह गईं। वैष्णो देवी यात्रा मार्ग में अर्धकुमारी के पास भूस्खलन हो गया। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई और 14 लोगों के घायल होने की खबर है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में बाढ़ ने कहर मचा दिया है। बीजापुर जिले में भारी बारिश के बाद गंगालूर मार्ग पर चेरपाल नदी में बाढ़ आ गई है, जिससे 100 से अधिक गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है।

- जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश से रेल यातायात बाधित 18 ट्रेन रद्द

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर मंगलवार अपराह्न भूस्खलन हुआ जिसकी चपेट में आने से कम से 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 14 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक कई लोगों के मलबे में दबे होने की भी आशंका है। माता वैष्णो देवी के भवन तक जाने की तीर्थयात्रा उस समय स्थगित कर ▶▶|शेष पेज 7 पर

मरकापाल घाट में पानी बढ़ने से ग्रामीण फंसा किया गया रेस्क्यू

एक दिन पूर्व नाव पलटने से डूबे छात्राओं का दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू

बाढ़ में फंसे 15 लोगों को राज्य आपदा मोचन बल ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाला है। इसके अलावा 5 लोगों को बाढ़ के पानी से घिरे होने के कारण हेलीकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू किया गया।

24 घंटे से मूसलाधार बारिश, इंद्रावती नदी का बढ़ा जलस्तर

दुकानें बह गईं, इमारतें ढह गईं

हिमाचल

हिमाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने से दुकानें बह गईं, इमारतें ढह गईं, राजमार्गों से संपर्क टूट गया और आवासीय इलाके जलमग्न हो गए। भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

170 से अधिक गांव जलमग्न

ओडिशा

उत्तरी ओडिशा के बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों के 170 से अधिक गांव लगातार दूसरे दिन बाढ़ के पानी में डूबे रहे, जबकि आईएमडी ने नये निम्न दबाव क्षेत्र के कारण अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है।

जगदलपुर। बीजापुर में पिछले 24 घंटे से जारी मूसलाधार बारिश से इंद्रावती समेत बरसाती नाले उफान पर है। लगातार बारिश से जिले के सौ से अधिक गांव का मुख्यालय से सम्पर्क टूट गया है। मुख्य मार्गों की सड़कें भी पानी से लबालब हो चुकी है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। नदी किनारे बसे गांव के मकानों को खाली करवाकर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों में ले जाया जा रहा है। प्रशासन ने बाढ़ को देखते हुए ▶▶|शेष पेज 7 पर

लोगों व वाहनों की लगी कतार : बीजापुर जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते कुछ घंटों में ही छोटे नदी नालों में जलस्तर बढ़ रहा है। बीजापुर से गंगालूर मार्ग पर चेतपाल नाला का जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिसके चलते नाले पर बना रपटा डूब गया। जिसके कारण रपते के दोनों ▶▶|शेष पेज 7 पर

सीएम साय ने जापान से ली जानकारी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर ▶▶|शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए ओसाका की कंपनी को आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करेंगी, बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त की कि एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई ▶▶|शेष पेज 7 पर

- अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा होगी स्थापित
- कृषि मूल्य श्रृंखला और रोजगार को मिलेगा नया आयाम

विकास की दिशा में बढ़ रहा छग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएं आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है, और इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार की दलील

बिल को कोर्ट नहीं राज्यपाल-राष्ट्रपति ही दे सकते हैं मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में दलील दी कि न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी नहीं दे सकते, क्योंकि यह अधिकार केवल राज्यपालों या राष्ट्रपति के पास होता है। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष यह दलील दी। साल्वे राष्ट्रपति द्वारा मांगे गए परामर्श पर सुनवाई में महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए। राष्ट्रपति द्वारा मांगे गए परामर्श में पूछा गया है कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करने के ▶▶|शेष पेज 7 पर

जस्टिस के सवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता के जवाब

जब न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि साल्वे के अनुसार, एक धन विधेयक को भी शुरू में ही रोका जा सकता है। साल्वे ने कहा, हां, क्योंकि एक बार सदन में किसी विधेयक में संशोधन होने के बाद भी राज्यपाल अपनी मंजूरी नहीं दे सकते। मैं केवल इस शक्ति के अस्तित्व पर विचार कर रहा हूं, इस पर नहीं कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है।

मप्र के वकील ने बताए तीन विकल्प

मध्य प्रदेश की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन.के. कौल ने कहा कि अनुच्छेद 200 के तहत, राज्यपाल के पास तीन स्पष्ट विकल्प हैं: अनुमति देना, अनुमति नहीं देना, या विधेयक को राष्ट्रपति के लिए आरक्षित रखना। उन्होंने दलील दी कि राज्यपाल को विधेयक वापस करने की अनुमति देने वाला प्रावधान एक परामर्शी तंत्र है, न कि एक ठोस वीटो।

राजस्थान की ओर से ऐसी दलील

राजस्थान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने दलीलें दीं। कार्यवाही जारी है। पीठ ने पूछा, जब सदन ने कोई विधेयक पारित कर दिया है, तो क्या राज्यपाल उस पर अनिश्चितकाल तक रोक लगा सकते हैं? मान लीजिए कि कोई विधेयक 2020 में पारित हो जाता है, तो क्या 2025 में भी कोई निर्णय न होने की स्थिति में न्यायालय कुछ नहीं कर सकता।

'स्वदेशी' हो हर किसी के जीवन का मंत्र

मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को पीएम ने दिखाई हरी झंडी

100	देशों में ग्लोबल मॉडल का होगा एक्सपोर्ट
49	केडब्ल्यूएच बैटरी पैक-रेंज 344 किमी
61.1	केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक 426 किमी

7 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि स्वदेशी हर किसी का जीवन मंत्र होना चाहिए। गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने यह बात कही। मोदी ने साथ ही कहा कि उनकी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि 'स्वदेशी' की उनकी परिभाषा सरल है। भारतीय बाजार में 3 सितंबर 2025 को ई-विटारा का ऑफिशियल लॉन्च होगा।

धनशोधन मामले पर ईडी का एक्शन

आप नेता सौरभ और निजी कंपनियों के परिसरों पर छापे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन जांच के तहत पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज एवं कुछ अन्य निजी कंपनियों के परिसरों में छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत भारद्वाज एवं अन्य के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कम से कम 13 स्थानों पर छापेमारी की गई।

आप ने कहा- पीएम की डिग्री पर सवाल से ध्यान हटाने का प्रयास

आप ने दावा किया कि भारद्वाज के खिलाफ छापेमारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री के बारे में उठाए जा रहे सवालों से ध्यान हटाने का प्रयास है। पार्टी नेता के खिलाफ मामला झूठा है। मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि मामला उस समय का है जब भारद्वाज किसी मंत्री पद पर नहीं थे।

केंद्र सरकार का सर्वेक्षण, शहरों में प्रवृत्ति अधिक

एक तिहाई स्कूली बच्चों में निजी कोचिंग का ट्रेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के करीब एक तिहाई स्कूली छात्र निजी कोचिंग का सहारा लेते हैं। यह प्रवृत्ति शहरी क्षेत्रों में अधिक आम है। केंद्र द्वारा शिक्षा पर कराए गए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (सीएमएस) में यह खुलासा हुआ है। सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी स्कूल पूरे भारत में शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण अहम भूमिका निभाते हैं। अब भी विद्यालयों में नामांकित कुल छात्रों में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की ▶▶|शेष पेज 7 पर

औसतन 9,950 रुपए खर्च

शहरी क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर निजी कोचिंग पर औसतन 9,950 रुपए खर्च किए जाते हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह औसतन 4,548 रुपए है। राष्ट्रीय स्तर पर कक्षाओं के साथ कोचिंग का खर्च भी बढ़ता है। पूर्व प्राथमिक में जहां औसतन 525 रुपये खर्च होते हैं, वह उच्चतम माध्यमिक कक्षाओं में बढ़कर 6,384 हो जाते हैं।

ग्रामीण में 25 और शहर में 30 फीसदी

यह प्रवृत्ति ग्रामीण क्षेत्रों (25.5 प्रतिशत) की तुलना में शहरी क्षेत्रों (30.7 प्रतिशत) में अधिक आम थी। इसके अनुसार शहरी क्षेत्रों में प्रति छात्र निजी कोचिंग पर औसत वार्षिक घरेलू व्यय (3,988 रुपये) है जो ग्रामीण क्षेत्रों (1,793 रुपये) की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया, यह अंतर उच्च कक्षाओं के साथ बढ़ता जाता है।

मात्र 1.2 फीसदी छात्र वजीफे पर निर्भर

सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में स्कूली शिक्षा पर खर्च करने वाले छात्रों में से 95 प्रतिशत ने बताया कि उनके वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत परिवार के अन्य सदस्य हैं। यह प्रवृत्ति ग्रामीण (95.3 प्रतिशत) और शहरी (94.4 प्रतिशत) दोनों क्षेत्रों में समान रूप से देखी गई। भारत में, 1.2 प्रतिशत छात्रों ने बताया कि सरकारी छात्रवृत्तियां उनकी स्कूली शिक्षा के लिए वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) द्वारा किया गया पिछला व्यापक शिक्षा सर्वेक्षण 75वां दौर (जुलाई 2017-जून 2018) में किया गया था।

गाय को बचाने कार पुलिया से टकराई, तीन की मौत

रायसेन। मप्र के रायसेन जिले में सड़क पर अचानक आई एक गाय को बचाने के प्रयास में एक कार के पुलिया से टकराने के कारण एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर सिलारी गांव के पास सोमवार शाम को हुई जब तेज रफ्तार कार सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने की कोशिश में पुलिया से टकरा गई। पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) कुंवर सिंह मुकाती ने बताया कि सोमवार शाम करीब छह बजे एक ही परिवार के चार लोग नरसिंहपुर से इंदौर अपने घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

भारतीय नौसेना को मिले आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि

मल्टी-मिशन स्टील्थ फ्रिगेट..समुद्र में दुश्मनों के लिए तबाही | राजनाथ ने किया दो युद्धपोतों का एक साथ जलावतरण

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय नौसेना के दो युद्धपोतों का एकसाथ जलावतरण किया है। आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि अत्याधुनिक मल्टी-मिशन स्टील्थ फ्रिगेट मिलने से भारत की नौसेना की क्षमता तो बढ़ी ही है, साथ ही साथ ये डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी देश की आत्मनिर्भरता के लिए बड़ी सफलता है। विशाखापत्तनम के नौसेना अड्डे पर ये दोनों ही स्टील्थ फ्रिगेट नौसेना को मिले हैं। इन दोनों अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों का निर्माण अलग-अलग शिपयार्ड में हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है कि भारत में दो युद्धपोतों का एकसाथ जलावतरण किया गया हो।

बेहतर स्टील्थ फीचर से लैस हैं यह दोनों आधुनिक युद्धपोत

आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि दोनों ही अत्याधुनिक युद्धपोत एडवांस प्रोजेक्ट 17ए क्लास का हिस्सा हैं। ये स्टील्थ फ्रिगेट शिवालिक क्लास फ्रिगेट की अगली कड़ी हैं, जिन्हें समुद्री अभियानों के लिए मल्टी-मिशन रोल के लिए डिजाइन किया गया है। इन दोनों युद्धपोतों में बेहतर स्टील्थ फीचर हैं, इनमें लगे हथियार और सेंसर ज्यादा एडवांस हैं और इनके प्रोपल्शन सिस्टम भी अत्याधुनिक हैं। समुद्र में दुश्मनों के लिए इनकी भनक लगा पाना भी बहुत मुश्किल है।

युद्धपोत निर्माण में बढ़ती क्षमता का उदाहरण

आईएनएस उदयगिरि का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। वहीं, आईएनएस हिमगिरि को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने बनाया है। इन दोनों ही युद्धपोतों के निर्माण ने भारत के युद्धक जहाज निर्माण की बढ़ती क्षमता का भी परिचय कराया है। आईएनएस उदयगिरि ऐसा 100वां युद्धपोत है, जिसे भारतीय नौसेना की वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो(डब्लूडीबी) ने डिजाइन किया है।

समुद्र में ऐसे काम आएंगे ये स्टील्थ फ्रिगेट

आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि दोनों ही स्टील्थ फ्रिगेट नौसेना के पूर्वी बेड़े का हिस्सा बनेंगे। इससे हिंद महासागर में भारत की समुद्री सुरक्षा और भी मजबूत हो जाएगी। ये जहाज प्रोजेक्ट17 (शिवालिक) श्रेणी के युद्धपोत हैं। पुराने जहाजों के मुकाबले ये नए जहाज बेहतर डिजाइन, दुश्मनों के रडार से बचने की क्षमता (स्टील्थ), हथियारों और अत्याधुनिक सेंसर से लैस हैं। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक ये युद्धपोत कई तरह के काम कर सकते हैं। जैसे कि दुश्मनों से मुकाबला, उनके पनडुब्बियों को ढूंढ़ना, इलेक्ट्रॉनिक लड़ाई लड़ना और निगरानी के काम आना।

खबर संक्षेप

वायुसेना प्रमुख ने राजस्थान के नाल एयरबेस से भरी मिग-21 में आखिरी उड़ान

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। 1965 से लेकर बालाकोट एयरस्ट्राइक तक जिन मिग-21 लड़ाकू विमानों की हवाई धमक मात्र से ही दुश्मन थरथर कांपते थे। उनकी अंतिम स्क्वाड्रन की अगले महीने 26 सितंबर को वायुसेना से आधिकारिक रूप से सेवानिवृत्ति (नंबर प्लेटिंग) हो जाएगी। लेकिन इन सबके बीच करीब चार दशक पहले इस विमान को उड़ाने वाले मौजूदा वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह ने राजस्थान में वायुसेना के बीकानेर एयरबेस से एक बार फिर से मिग विमान में अंतिम रणनीतिक उड़ान भरी है।

संघ हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी लोगों के लिए करता है काम : भागवत

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि आरएसएस के बारे में लोगों के बीच एक सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि बहुत सारे लोग समझते हैं कि संघ केवल हिंदुओं के लिए कार्य करता है। संघ प्रमुख ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि संघ हिंदू राष्ट्र के लिए काम करता है, लेकिन इस हिंदू राष्ट्र का अर्थ केवल हिंदुओं से नहीं है। बल्कि यह हिंदुस्तान में रहने वाले सभी लोगों के लिए है।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से तोड़े राजनयिक संबंध

केनबरा। इजरायल और अमेरिका से बिगड़े संबंधों के बीच ईरान को बड़ा झटका लगा है। ऑस्टेलिया ने ईरान से अपने राजनयिक संबंध तोड़ लिए हैं। ईरान के राजदूत को भी देश से निकाल दिया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी संगठन घोषित करने का ऐलान भी किया है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया का दूतावास ईरान की राजधानी तेहरान में है और ईरान का दूतावास कैनबरा में है।

बिहार में चल रही वोट अधिकार यात्रा में राहुल ने साधा निशाना

बीजेपी ने चुपके से कानून बदला, अब चुनाव आयुक्त पर केस नहीं कर सकते

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इन दिनों बिहार में हैं और 'वोट अधिकार यात्रा' कर रहे हैं। सूबे के मधुबनी में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री तय करते हैं कि इलेक्शन कमिश्नर कौन बनेगा? वहां विपक्ष के नेता की एक नहीं सुनी जाती। राहुल ने कहा, पहले चुनाव आयुक्त पर केस किया जा सकता था। बीजेपी ने चुपके से 2023 कानून बदला और अब चुनाव आयुक्त पर कोई केस नहीं लगाया जा सकता है। सवाल है- ऐसा कानून क्यों बनाया गया? और जवाब है- 'वोट चोरी' करवाने के लिए।' कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'मेरी 'वोट चोरी' से जुड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने कुछ नहीं कहा। ऐसा इसलिए क्योंकि जब चोर पकड़ा जाता है, तो वह बिल्कुल चुप हो जाता है। उसे पता चल जाता है कि मैं तो फंस गया, अब पकड़ लिया गया हूं।'

मधुबनी में मंगलवार को प्रियंका व तेलंगाना सीएम रेड्डी भी हुए शामिल

शाह के 40 साल का राज

गांधी ने आगे कहा, 'अमित शाह ने बार-बार कहा कि भाजपा की सरकार 40-50 साल तक रहेगी। पहले ये बयान अजीब लगा, अमित शाह को कैसे पता कि 40-50 साल तक सरकार चलेगी। अब सच्चाई सामने आ गई है। अमित शाह ऐसा इसलिए कह पा रहे थे, क्योंकि ये लोग 'वोट चोरी' करते हैं।'

'गुजरात से शुरू हुई वोट चोरी': राहुल ने दावा किया कि 'वोट चोरी' इन्होंने अभी नहीं शुरू की। एक दिन ये बाहर आएगा कि ये चोरी कई साल से हो रही है। ये चोरी गुजरात में पहले शुरू हुई, उसके बाद 2014 में नेशनल लेवल पर पहली बार सामने आई. उसके बाद चुन-चुन कर स्टेट जीतते हैं और हरवाते हैं। राहुल ने आगे कहा, 'ये बात मैं नहीं कहता था क्योंकि मेरे पास कोई सबूत नहीं था। मैं झूठ नहीं बोलता हूं, मैं वही बोलता हूं जिसके बारे में मुझे पूरी जानकारी है। मुझे लगा कि कुछ न कुछ गड़बड़ है।

महाराष्ट्र चुनाव पर ऐसे हुआ शक

राहुल गांधी ने पिछले दिनों हुए चुनावों का जिक्र करते हुए कहा, 'महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में हमारा गठबंधन जीतता है। लेकिन चुनाव आयोग में पूरी पार्टियां गायब हो गईं। इसके बाद हमने पता लगाना शुरू किया, तो पता लगा कि लोकसभा के बाद चुनाव आयोग ने लाखों वोटर्स लिस्ट में डाल दिए। जहां भी नए वोटर आए, वहां पर बीजेपी जीत गई. हमारे वोट कम नहीं हुए। लोकसभा में हमें 100 वोट मिले, विधानसभा में 100 वोट मिले. हमारे वोट कम नहीं होते हैं, लेकिन बीजेपी के वोट बढ़ते हैं।' गांधी ने कहा, ' महाराष्ट्र में इन्होंने थोड़ा सा ज्यादा कर दिया और हमने पकड़ लिया। अगर कोई आपके बटुए से दस रुपए चोरी करे, तो शायर आपको पता नहीं लगे लेकिन अगर एक दिन आपके बटुए से हजार रुपए गायब हो गए, तो आपको लगेगा कि किसी ने चोरी की है।

प्रधानमंत्री ने तो वोट ही चुरा लिए: प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल पर 'भैंस चुराने'' का आरोप लगाया था, लेकिन अब उन्होंने तो वोट ही चुरा लिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि जनता का विश्वास खो चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर में 'वोट चोरी' की साजिशें रच रही है। प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं के साथ एक खुली एसयूवी में सवार थीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने दी एडहॉक शिक्षकों और कर्मचारियों को बड़ी राहत

सरकारें अब नहीं टाल सकतीं रेगुलराइजेशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि सरकारी संस्थान अब लंबे समय तक एड-हॉक या अस्थायी कर्मचारियों से नियमित और स्थायी प्रकृति का काम नहीं ले सकते। अदालत ने साफ किया कि सरकारें वित्तीय संकट या पदों की कमी का हवाला देकर कर्मचारियों को स्थायी करने से इनकार नहीं कर सकतीं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अपने फैसले में कहा – 'आउटसोर्सिंग को शोषण का साधन नहीं बनाया जा सकता। जहां काम स्थायी रूप से हर दिन और हर साल होता है, वहां संस्थान को अपनी स्वीकृत संरचना और भर्ती व्यवस्था में इसका स्पष्ट प्रतिबिंब दिखाना होगा।'न्यायमूर्ति नाथ ने टिप्पणी की कि राज्य (केंद्र और राज्य सरकारें) सिर्फ बाजार के भागीदार नहीं, बल्कि संवैधानिक नियोक्ता हैं।

यूपी उच्च शिक्षा आयोग का मामला

यह फैसला उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की याचिका पर आया है। आयोग ने वित्तीय तंगी और रिक्तियों की कमी का हवाला देकर नियमितीकरण से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग का यह तर्क खारिज कर दिया और कहा कि लंबे समय तक अस्थायी लेबल पर नियमित श्रम लेना प्रशासनिक पारदर्शिता को चोट पहुंचाता है और समान संरक्षण के संवैधानिक वादे का उल्लंघन करता है।

सरकारों को चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न केवल एड हॉक शिक्षकों बल्कि लाखों अस्थायी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। अदालत ने सरकारों को चेतावनी दी है कि स्थायी कार्यों के लिए अस्थायी कर्मचारियों का इस्तेमाल करना अब संवैधानिक जिम्मेदारी से बचने का साधन नहीं हो सकता।

महू में गरजे सीडीएस चौहान- शांति चाहिए तो युद्ध के लिए रहें तैयार

तीनों सेनाओं का शुरू हुआ रण संवाद कार्यक्रम

एजेंसी ▶▶| महू

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने चीन, पाकिस्तान को सीधा मैसेज दिया है। उन्होंने देश की सुरक्षा और भविष्य की तैयारियों पर भी कई जानकारियां दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति का समर्थक रहा है, लेकिन ताकत के बिना शांति केवल एक कल्पना बनकर रह जाती है। मध्यप्रदेश के मऊ में आर्मी वार कॉलेज में आयोजित रण संवाद कार्यक्रम में सीडीएस चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर और आने वाले समय में भारत की नई रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र पर भी खुलकर चर्चा की। सीडीएस ने कहा कि आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल शांति की इच्छा पर्याप्त नहीं, बल्कि इसके साथ-साथ रणनीतिक शक्ति और तैयारी भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सुदर्शन चक्र न सिर्फ देश के सैन्य और नागरिक स्थलों की रक्षा करेगा, बल्कि यह भारत की रक्षा रणनीति में नई दिशा भी तय करेगा।

'ताकत के बिना शांति सिर्फ एक कल्पना है'

सीडीएस चौहान ने साफ किया कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है, लेकिन ताकत के बिना शांति सिर्फ एक कल्पना है। भारत शांति प्रिय राष्ट्र है, लेकिन हमें किसी भी स्थिति में शांतिवादी नहीं समझना चाहिए। शांति बनाए रखने के लिए शक्ति जरूरी है। जैसा कि एक लैटिन कहावत है कि अगर शांति चाहते हो तो युद्ध के लिए तैयार रहो।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर क्या बोले सीडीएस

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक आधुनिक संघर्ष था, जिससे कई अहम सीख मिली हैं। उन्होंने कहा कि कई सुधार लागू किए जा चुके हैं और कुछ पर काम चल रहा है। यह ऑपरेशन अभी भी जारी है, लेकिन इस सेमिनार का उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करना नहीं, बल्कि उससे आगे की रणनीति पर बात करना है।

पीएम की चीन यात्रा से पहले भारत ने जताई उम्मीद

एससीओ करेगा सीमापार आतंकवाद की कड़ी निंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के कई क्षेत्रों में जारी सैन्य संघर्ष और 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ की चुनौती के बीच कल यानी गुरुवार (28 अगस्त) से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एशिया के दो महत्वपूर्ण देशों जापान और चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा की शुरुआत हो जाएगी। जिसका पहला पड़ाव जापान होगा और उसके बाद पीएम तियानजिन में आयोजित किए जाने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल के साथ संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के इस दौरे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 28 अगस्त की शाम को पीएम जापान के लिए रवाना हो जाएंगे।

एक मंच पर साथ नजर आएंगे मोदी-शरीफ

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी की चीन में उपस्थिति बेहद खास इसलिए भी रहने वाली है। क्योंकि एक ओर वह चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में 2020 में शुरू हुए एलएसी विवाद के दौरान हुई गलवान घाटी की खूनी हिंसक झड़प के बाद पहली बार चीन की यात्रा करेंगे। वहीं, दूसरी ओर ऑपरेशन सिंदूर के बाद होने वाली पीएम की चीन की इस यात्रा में शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भी मौजूदगी रहेगी।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुटमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

जॉइंट्स पेन के लिए रामबाण तेल
Since-2000
S.M. OIL®
सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
हर प्रकार के वात रोग, गठिया वात, लकवा, हाथ पांव, कमर, पीठ, जोड़ों का दर्द, जोड़ों का अकड़ना, सूजन, मोच, हड्डी फ्रैक्चर आदि में परम गुणकारी
Customer Care No. 9425296176
तुरंत पाये आराम

चीन के वैज्ञानिकों ने किया दुनिया को हैरान

चमत्कार, इंसानी शरीर में लगा सूअर का फेफड़ा

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

मेडिकल साइंस चमत्कार का दूसरा नाम है। वैज्ञानिक और डॉक्टर नई-नई खोजों में लगे रहते थे। जिनपर पहली बार में विश्वास कर पाना मुश्किल होता है। ऐसा ही एक मामला पहली बार देखने को मिला है, जब साइंटिस्ट ने एक सूअर का फेफड़े इंसान के अंदर लगाकर देखा। यह शोध यह देखने के लिए की गई थी कि क्या दो प्रजातियों के बीच ऑर्गन ट्रांसप्लांट किया जा सकता है या नहीं? चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया का ऐसा पहला ट्रांसप्लांट सफल कर दिखाया है, जिसमें इंसान के अंदर सूअर का फेफड़ा लगाया गया। ये ट्रांसप्लांट एक ब्रेन डेड इंसान के अंदर किया गया था। जानवर के फेफड़े को जेनेटिकली मोडिफाइड किया गया था ता कि इम्यून सिस्टम इसे स्वीका करने से मना ना कर दे।

क्या हुआ मुश्किल ऑपरेशन का अंजाम?

हालांकि जिस मरीज के शरीर में फेफड़ा लगाया गया था, वो नौ दिनों तक जीवित रहा और अंग काम करता रहा। वैज्ञानिकों के लिए ये बड़ी उम्मीद इसलिए है क्योंकि 9 दिन तक फेफड़े ने सांस लेने का काम किया और इंसानी शरीर ने इसे तुरंत रिजेक्ट नहीं किया। ट्रांसप्लांट के बाद 24 घंटे में फेफड़े में कुछ सूजन और लिक्विड का जमा होना शुरू हुआ, जिससे उसे नुकसान पहुंचा। रिसर्चर्स के मुताबिक इंसान के शरीर ने जैसे ही इसे बाहर का अंग समझा, उसके इम्यून सिस्टम ने धीरे-धीरे फेफड़े पर हमला शुरू कर दिया। उन्होंने दवाओं के जरिए इसे कंट्रोल करना चाहा लेकिन ये हो नहीं सका।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE

दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस
मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773

लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच कराये व अपने पैसे बहुतायत से बचाये।
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करे- 9039055548, 9300000989,9300000702

20 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
लैब केयर डायग्नोस्टिक्स
Mo.: 9826725383
पैथोलॉजी की सभी सेवायें उपलब्ध है।
50% डिस्काउंट के साथ उचित जाँच*
Lab Care DIAGNOSTICS COMPLETE PATHOLOGY SOLUTION
पताः सीएसआईडीसी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के सामने, दास स्वीट्स के पीछे, बचपन अस्पताल के पास, महादेव घाट रोड, रिंग रोड चौक, रायपुर, (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें -
9303508130, 9302016344, 7909631282

MARUTI SUZUKI
NEXA
BALENO के साथ, हर राह आसान।
इस गणेश चतुर्थी, विघ्नहर्ता के आशीर्वाद और बलेनो की शानदार सवारी से हर चुनौती को पार करें।
10 YEARS OF BALENO
BALENO
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
REGAL EDITION
GET COMPLIMENTARY PACKAGE OF UP TO ₹ 51 480^
THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD
श्रेणी में पहला
360 व्यू कैमरा
श्रेणी में पहला
हेड अप डिस्प्ले
हर मॉडल में 6 एयरबैग ~
इन-बिल्ट सुजुकी कनेक्ट
DRIVE HOME THE BALENO AT JUST
₹4 999#
per month.
₹ 80 000** तक के लाभ
कीमत ₹ 6.74 लाख^ से शुरु
मान्य प्रमाणपत्र जमा करने पर अतिरिक्त स्क्रैपेज बोनस उपलब्ध है
स्कैन करें और निकट के शोरूम से जुड़ें
आज ही ई-बुक करें @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
हमसे यहां संपर्क करें
1800-200-[6392]
1800-102-[6392]
^विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाएं. ऑफर खरीदे गए मॉडल और वेरिएंट के आधार पर भिन्न हो सकते हैं. **सभी ऑफर केवल NEXA डीलरों द्वारा ही उपलब्ध कराए जाते हैं. मारुति सुजुकी बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी समय ऑफर वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखती है. रचनात्मक प्रस्तुति. ~एयरबैग सहित सुरक्षा सुविधाओं के कामकाज के विवरण के लिए, कृपया उपयोगकर्ता पुस्तिका देखें. *3 साल या 100000 किमी, जो भी पहले हो. #EMI @ ₹4999 ग्राहक अपग्रेड (पुरानी कार का एक्सचेंज मूल्य 3.40 लाख रुपये) बलेनो सिग्मा वेरिएंट में करने के लिए एक स्कीम है. बैलून फाइनेंस EMI की गणना 9.5% ब्याज दर पर की जाती है. बैलून EMI कुल लोन राशि का 30% और 5 वर्ष की लोन अवधि है. बैलून फाइनेंस स्कीम चुनिंदा फाइनेंसरों द्वारा प्रदान की जाती है. फाइनेंसर के निर्णय पर फाइनेंस किया जाता है और ग्राहक की प्रोफाइल के आधार पर भिन्न हो सकता है. अधिक जानकारी के लिए कृपया अपने निकटतम नेक्सा डीलर या टोल-फ्री नंबर पर संपर्क करें.

चिंतन

ट्रंप के टैरिफ की काट है, स्वदेशी अपनाओ

देश पर जब भी कोई विपदा या परेशानी आई है तो पूरे देश ने मिलकर न केवल मुकाबला किया है बल्कि उस परेशानी का खात्मा करके ही दम लिया है। ऐसा ही समय एक बार फिर आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले की गई घोषणा के अनुसार भारतीय सामानों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का एक ड्राफ्ट नोटिस जारी कर दिया है। भारत के खिलाफ ये टैरिफ 27 अगस्त यानी आज से लागू होंगे। आदेश में कहा कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय प्रोडक्ट्स पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त 2025 की रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है। ट्रंप के इरादों से साफ है कि वो भारत के खिलाफ सनक पाले हुए हैं। इसका सीधा असर यह होगा कि टैरिफ से ज्वेलरी, टेक्सटाइल, ऑटो, सी फूड इंडस्ट्रीज का मुनाफा घट सकता है। इससे 48.2 अरब डॉलर के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा। हालांकि आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री पर नहीं होगा। अभी इलेक्ट्रॉनिक्स को सेक्शन 232 के तहत छूट मिली है। जब तक इसकी घोषणा नहीं होती, तब तक अमेरिका को निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं, फार्मा पर मौजूदा टैरिफ जीरो फीसदी है, लेकिन ट्रम्प ने 18 महीने में 150 प्रतिशत और बाद में 250 फीसदी टैरिफ की धमकी दी है। जब तक ये लागू नहीं होता, तब तक छूट मिलती रहेगी। ऐसा लंबे समय तक होता नजर नहीं आ रहा। जिस तरह से ट्रंप प्रशासन फैसले ले रहा है, उससे तो साफ है कि वे किसी भी समय कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम इसके लिए तैयार रहें। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की तरफ भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने संबंधी नोटिफिकेशन के दो दिन पहले ही अपना रुख साफ कर दिया था। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकती। हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन कर लेंगे। इशारा साफ है कि भारत अमेरिका के आगे झुकने वाला नहीं है। अब प्रश्न उठता है कि विकल्प क्या है। सबसे पहले तो सरकार को अमेरिका पर निर्भरता कम करने के लिए यूरोप, रूस या अन्य देशों में व्यापार बढ़ाना होगा। इसके तहत भारत अब चीन, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका के बाजारों पर फोकस करेगा। आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ भारत ट्रेड डील कर चुका है। ये एक अक्टूबर से लागू होगी। ब्रिटेन के साथ डील अगले साल अप्रैल से लागू हो सकती है। ओमान, चिली, पेरू, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ से बातचीत जारी है। भारत सीफूड के लिए रूस, यूके, यूरोपीय यूनियन, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड और दक्षिण कोरिया पर फोकस कर रहा है। वहीं, हीरे और आभूषण के लिए वियतनाम, थाईलैंड, मलेशिया और अफ्रीका जैसे बाजारों की ओर रुख कर रहा है। सरकार इसके लिए अपनी तरफ से प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में एक खास बात और भी कही है जो आपदा में अवसर होगी। स्वदेशी अपनाओ, इसी मंत्र से हम ट्रंप के टैरिफ को काट सकते हैं। टैरिफ का सबसे ज्यादा असर नौकरियों पर होगा। अगर हम स्वदेशी अपनाते हैं तो जितनी नौकरियां प्रभावित होंगी, उससे कहीं ज्यादा हम अपनी खपत बढ़ाकर रोजगार सजृन कर सकते हैं। अगर त्योहारों के सीजन में ही संकल्प कर लें कि केवल स्वदेशी सामान की खरीद करेंगे तो ट्रंप के इस टैरिफ का हम पर कोई खास असर नहीं होने वाला। जरूरी यही है कि हम हमेशा के लिए देश के लिए खड़े हों और स्वदेशी को अपनाएं।

संघ शताब्दी वर्ष

अवधेश कुमार

मोहन भागवत की अगुवाई में महामंथन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष इस बार विजयादशमी यानी 2 अक्टूबर 2025 से आरंभ हो रहा है। पूरे 1 वर्ष तक संघ ने अपने विस्तार और सामाजिक आंदोलन की दृष्टि से अत्यंत सघन कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। यह मानने में किसी को हिचक नहीं होगी कि सरसंघचालक मोहन भागवत का राजधानी दिल्ली में शताब्दी वर्ष का यह पहला कार्यक्रम अब तक के किसी भी संगठन के कार्यक्रमों से अलग ऐसे विषय, सोच और दिशा लिए हुए होगा जो लंबे समय तक चर्चा में तो रहेगा ही, भविष्य में संघ पर बात करने की दृष्टि से उद्धरण की भी भूमिका निभाएगा। साथ ही यह पूरे शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की वैचारिक और क्रियात्मक आधारभूमि का पूर्वावलोकन भी होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष इस बार विजयादशमी यानी 2 अक्टूबर 2025 से आरंभ हो रहा है। पूरे 1 वर्ष तक संघ ने अपने विस्तार और सामाजिक आंदोलन की दृष्टि से अत्यंत सघन कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। इन्हीं में से एक कार्यक्रम सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का देश के चार प्रमुख शहरों राजधानी दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और बेंगलुरु में सक्रिय नागरिकों के साथ संवाद है। यह कार्यक्रम दिल्ली के प्रगति भवन में 26, 27 और 28 अगस्त को होगा। कोई संगठन अपने शीर्ष नेता का कुछ घंटे का एक दिन का संबोधन या प्रश्नोत्तर या फिर पत्रकार वार्ता का कार्यक्रम रख रहा है। आम सोच यही होगी कि डॉ. भागवत संघ पर लगने वाले आरोपों पर विस्तार से बात रखेंगे तथा अपनी उपलब्धियों का बखान करेंगे। अभी तक संघ के कारण प्रणाली में ऐसा कभी नजर नहीं आया कि संघ का चरित्र अन्य संगठनों की तरह लगने वाले आरोपों का त्वरित या किसी स्तर पर पत्रकार वार्ता आदि बुलाकर खंडन करना और आत्म प्रचार का हो। जब यह अभी तक संघ की कार्यप्रणाली में रहा ही नहीं तो शताब्दी वर्ष पर सरसंघचालक का राजधानी दिल्ली के इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उपयोग वे इसमें करेंगे, ऐसी कल्पना निरर्थक है। तो फिर? स्वाभाविक ही तीन दिनों तक लगातार लोगों के सामने संघ की 100 वर्ष की यात्रा, वर्तमान भारत एवं विश्व की स्थिति , उत्पन्न प्रश्न एवं चुनौतियां, उन पर संघ का मत एवं उपस्थित समूह के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आदि शामिल होंगे। हां उपस्थित श्रोताओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में शेष बातें आएंगी।

राजधानी दिल्ली के इस कार्यक्रम की ओर निश्चित रूप से संघ के स्वयंसेवकों व समर्थकों के अलावा देश भर के विरोधियों की भी दृष्टि होगी। शताब्दी वर्ष की दृष्टि से संघ का संगठन के बाहर देश के समक्ष शीर्षतम नेतृत्व द्वारा अपनी बात रखने का यह पहला कार्यक्रम होगा। निश्चित रूप से इसकी तैयारी भी उसी अनुसार दिखाई दी है। संघ के विरोधी भी यह मानते हैं कि उनका कार्यक्रम सुव्यवस्थित, सुलक्षित होता है। निष्पक्ष दृष्टि रखने वाले मानेंगे कि डॉ. भागवत का यह कार्यक्रम ऐसा होगा कि दूसरे संगठन भी इससे अपने महत्वपूर्ण अवसरों का उपयोग करने का तौर-तरीका सीखकर आगे अपनाते हुए दिख सकते हैं। सच कहा जाए तो यह देश के समक्ष केवल संघ को अपनी बात रखने का एक महत्वपूर्ण और बड़ा अवसर नहीं है, देश के लिए भी संघ को जानने समझने का अब तक का सबसे प्रामाणिक आयोजन है। हालांकि 2018 में भी मोहन भागवत ने इसी भवन में संवाद किया था और उसका भी असर हुआ। शताब्दी वर्ष की तैयारी को देखते हुए यह अभी तक का संघ की दृष्टि से सबसे अलग होगा। पिछले 23 मार्च को बेंगलुरु में आयोजित प्रतिनिधि सभा के समापन पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय दत्तात्रेय होसबोले ने कहा था कि संघ शताब्दी वर्ष का उत्सव नहीं मनाएगा बल्कि इसकी जगह हमने इस वर्ष के लिए तीन बिंदु सुनिश्चित किए हैं। एक, आत्मचिंतन करना, दो, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए समर्थन के लिए आभार प्रकट करना तथा तीन, राष्ट्र के लिए तथा समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करना है। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष में हम अधिक सावधानी, गुणवत्ता तथा व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेते हैं।

स्वाभाविक ही जीवंत सक्रिय संगठन 100 वर्ष की अपनी यात्रा पर आत्मचिंतन करेगा। आत्मचिंतन व्यापक आयाम वाला विषय है। आत्मचिंतन यानि हम जिन उद्देश्यों के लिए जिन परिस्थितियों में जिस तरह उत्पन्न हुए अभी तक अपने लक्ष्यों की दृष्टि से जो कुछ किया क्या वह संतोषजनक है, कुछ कमियां है तो उन्हें कैसे दूर करेंगे, वर्तमान काल और परिस्थिति में हमें और क्या करना है आदि आदि।

पिछले दिनों एक साक्षात्कार में मोहन भागवत ने कहा था कि 'डॉक्टर साहब, श्री गुरूजी या बाळासाहब के विचार सनातन परम्परा या संस्कृति से अलग नहीं हैं। प्रगाढ़ चिंतन व कार्यकर्ताओं के प्रत्यक्ष प्रयोगों के अनुभव से संघ की पद्धति पक्की हुई और चल रही है। पहले से ही उसमें पोथी निष्ठा, व्यक्ति निष्ठा व अंधानुकरण की कोई जगह नहीं है। हम तत्वप्रधान हैं। महापुरुषों के गुणों का, उनकी बताई दिशा का अनुसरण करना है, परन्तु हर देश-काल-परिस्थिति में अपना मार्ग स्वयं बनाकर चलना है। इसलिए नित्यानित्य विवेक होना चाहिए। सरसंघचालक का वक्तव्य संघ के लिए दिशाबोधक है। अगर वे पूर्व सरसंघचालक को उद्धृत करते हुए कहते हैं कि मूल विचार को छोड़कर सब कुछ बदला जा सकता है तो इसे ही स्वीकार किया जाना चाहिए। पिछले 21 मार्च को अरुण कुमार ने पत्रकार वार्ता में कहा कि संघ एक संगठन नहीं बल्कि समाज परिवर्तन का बड़ा आंदोलन है। शताब्दी वर्ष में इसी को केंद्र में रखकर कार्यक्रम तय किए गए होंगे। जैसा पिछले काफी समय से पत्रकार वार्ताओं में संघ की ओर से बताया जा रहा है कि आगामी समय में सामाजिक परिवर्तन के पांच आयामों पर अपने कार्य को अधिक केन्द्रित करेगा । इन पांच आयामों में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण, नागरिक कर्तव्य सम्मिलित हैं। इस विषय में श्री होसबाले ने कहा था कि समाज में विभेद के विरुद्ध विमर्श खड़ा करना तथा समरसता के लिए निरंतर प्रयास करना इस कार्ययोजना का लक्ष्य है। अस्पृश्यता समाज के लिए पाप और कलंक है तथा संघ इसे मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है। सात जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित प्रांत प्रचारक बैठक में अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेडकर के वक्तव्य की कुछ पंक्तियां इन्हें ज्यादा स्पष्ट करतीं हैं ' शताब्दी वर्ष के सारे कार्यक्रमों का उद्देश्य व्यापक आउटरीच है, भौगोलिक, सामाजिक दृष्टि से समाज के सभी लोगों तक जाना और सभी कार्यों में उनकी सहभागिता हो। यह अभियान एक तरह से सर्वसमावेशी, सर्वस्पर्शी होगा।

देश आगे बढ़ रहा है, आर्थिक व तकनीकी प्रगति कर रहा है। केवल आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से आगे बढ़ना पर्याप्त नहीं है। हमारे समाज की विशेषताएं, राष्ट्र के अपने विशेष गुणों के साथ ही समाज के सभी लोगों की चिंता करना, पर्यावरण की चिंता करना, परिवार में जीवन मूल्यों की रक्षा करना, सामाजिक जीवन में आपसी सद्भाव बना रहे, पंच परिवर्तन के इन विषयों शताब्दी वर्ष के सारे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में ले जाएंगे। शताब्दी वर्ष के सारे कार्यक्रम इन्हीं उद्देश्यों पर केंद्रित हैं इसलिए मोहन भागवत भी निश्चित रूप से इन बातों पर प्रबुद्ध समूह के बीच विस्तार से अपना मत रखेंगे। यह मानने में किसी को हिचक नहीं होगी कि सरसंघचालक मोहन भागवत का राजधानी में शताब्दी वर्ष का यह पहला कार्यक्रम अब तक के किसी भी संगठन के कार्यक्रमों से अलग ऐसे विषय, सोच और दिशा लिए हुए होगा जो लंबे समय तक चर्चा में तो रहेगा ही भविष्य में संघ पर बात करने की दृष्टि से उद्धरण की भी भूमिका निभाएगा। साथ ही यह पूरे शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की वैचारिक और क्रियात्मक आधारभूमि का पूर्वावलोकन भी होगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

गणेश चतुर्थी

बाल मुकुन्द ओझा

पंच देवताओं में अग्रगण्य हैं भगवान गणेशजी

भारत त्योहारों का देश है। त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बुनियाद को मजबूत बनाने और समाज को जोड़ने का काम करते हैं। त्योहार जीवन में खुशियां लेकर आते हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार हमारे देश में बड़े ही धूमधाम और पूजा पाठ से मनाया जाता है। प्रत्येक घर और व्यापारिक संस्थान में तब तक कोई शुभ काम पूरा नहीं माना जाता, जब तक वहां भगवान गणेश की पूजा न हो। इसके पीछे मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत इस दिन करने से फल अच्छा मिलता है। इस दिन गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और संपन्नता आती है। कई लोग व्रत रखते हैं। व्रत रखने से भगवान गणेश खुश होते हैं और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह दिन भगवान गणेश की पूजा, आदर और सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। भगवान गणेश के जन्मोत्सव को गणेश चतुर्थी के रूप में जाना जाता है। देश के सर्वाधिक लोकप्रिय त्योहारों में गणेश चतुर्थी एक है। गणेश चतुर्थी का त्योहार हर साल

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होकर 10 दिन बाद अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा के मूर्ति विसर्जन के बाद समाप्त होता है। अंग्रेजी तिथि के हिसाब से गणेश उत्सव इस साल 27 अगस्त, बुधवार से शुरू होकर विसर्जन 6 सितंबर को होगा। पंचांग के अनुसार इस साल भगवान श्री गणेश की मध्यान्ह पूजा का शुभ मुहूर्त 27 अगस्त 2027, बुधवार के दिन रहेगा। इस दिन गणेश भक्त सुबह 11 बजकर 5 मिनट से लेकर दोपहर एक बजकर 40 मिनट के बीच श्री गणेश जी की पूजा कर सकेंगे। इस प्रकार गणपति के भक्तों को उनकी पूजा करने के लिए लगभग ढाई घंटे मिलेंगे। भारतीय जनजीवन में गणेशजी का अद्वितीय स्थान है। पंच देवताओं में वे अग्रगण्य हैं। प्रत्येक उत्सव, समारोह अथवा अनुष्ठान का आरंभ उन्हीं की पूजा-अर्चना से होता है। वे विद्या और बुद्धि के देवता हैं। इसके साथ ही वे विघ्न-विनाशक भी हैं। भगवान गणेश का अवतार ज्ञान, समृद्धि और सौभाग्य के रूप में हुआ है। इस कारण हमारे देश में किसी भी अच्छे काम की शुरुआत से पहले भगवान गणेश का आह्वान एक आम बात है। साथ ही इस त्योहार से हम अपने जीवन में शांति, समृद्धि और सद्भाव ला सकते है। पंचदेवों में से एक भगवान गणेश सर्वदा ही अग्रपूजा के अधिकारी हैं और उनके पूजन से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। श्रीगणेश के स्वतंत्र मंदिर कम ही जगहों पर देखने को मिलते हैं परंतु सभी मंदिरों, घरों, दुकानों आदि में भगवान गणेश विराजमान रहते हैं। इन जगहों पर भगवान गणेश की प्रतिमा, चित्रपट या अन्य कोई प्रतीक अवश्य रखा मिलेगा, लेकिन कई स्थानों पर भगवान गणेश की स्वतंत्र मंदिर भी स्थापित है और उसकी महता भी अधिक बतायी जाती है। भारत ही नहीं, भारत के बाहर भी भगवान गणेश हैं। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक एक बार मां पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपनी मैल से एक सुंदर बालक को उत्पन्न किया और उसका नाम गणेश रखा। फिर उसे अपना द्वारपाल बनाकर दरवाजे पर पहरा देने का आदेश देकर स्नान करने चली गई। थोड़ी देर बाद भगवान शिव आए और द्वार के अन्दर प्रवेश करना चाहा तो गणेश ने उन्हें अन्दर जाने से रोक दिया। इस पर भगवान शिव क्रोधित हो गए और अपने त्रिशूल से गणेश के सिर को काट दिया और द्वार के अन्दर चले गए। जब मां पार्वती ने पुत्र गणेश जी का कटा हुआ सिर देखा तो अत्यंत क्रोधित हो गई। तब ब्रह्मा, विष्णु सहित सभी देवताओं ने उनकी स्तुति कर उनको शांत किया और भोलेनाथ से बालक गणेश को जिंदा करने का अनुरोध किया। उनके अनुरोध को स्वीकारते हुए एक गज के कटे हुए मस्तक को श्री गणेश के धड़ से जोड़ कर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। पार्वती जी हर्षातिरेक होकर पुत्र गणेश को हृदय से लगा लेती हैं तथा उन्हें सभी देवताओं में अग्रणी होने का आशीर्वाद देती हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्रपूज्य होने का वरदान देते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कथनी और करनी में न हो कोई अंतर

संकलित

दर्शन

सभी के हित का ध्यान रखते हुए मनसा, वाचा, कर्मणा अपने दायित्वों का सम्यक रूप से निर्वाह करना कर्त्तव्य है। कर्त्तव्य का पालन यदि समुचित रूप से किया जाता है तो जीवन पूर्णतः गौरवान्वित बनता है। जो कर्त्तव्यनिष्ठ है। वह अपने करणीय कर्म के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है। वह परमार्थ पोषक एवं प्रामाणिक होता है। वह जैसा रहता है, वैसा ही करता भी है। ऐसी कथनी-करनी की एकरूपता से वह समाज में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्रत्येक उससे प्रेरणाएं ग्रहण करता है। कर्त्तव्य परिपालन की बात करना और कर्त्तव्य परिपालन के नाम पर शोर-शराबा मचाना अलग बात है और कर्त्तव्यों के क्षेत्र में बिना किसी शोर-शराबे के समर्पित हो जाना अलग बात है। आज हम देखते हैं कि कर्त्तव्यों के परिपालन के लिए अक्सर लम्बे-चौड़े उपदेश दिये जाते हैं, पर जब कर्तव्य निर्वाह का अवसर आता है तो व्यक्ति दायें-बायें देखने लगता है। कटु सत्य तो यह है कि आज कर्त्तव्यों की चर्चा करने वाले लाखों हैं, पर कर्त्तव्यों के पावन पथ पर गतिशील होने वाले विरले ही हैं। कई बार मुझे चिंतन के क्षणों में लगता है कि आज व्यक्ति कर्त्तव्यों से विमुख हो गया है। इस विमुखता के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अराजकता और अशांति का विस्तार हुआ है। कर्त्तव्यों के पावन क्षेत्र से भटककर कोई व्यक्ति कभी भी शांति का अहसास नहीं कर सकता। जीवन का गौरव और उसकी सार्थकता कर्त्तव्य पालन में ही है। कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति गुलाब का फूल है, वह कांटों में मुस्कराता है। *-कांतिलाल मांडोत*

मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी

संकलित

प्रेरणा

अगस्त्य नाम के ऋषि थे वे समुद्र के किनारे कठोर व्रत कर रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर एक पक्षी अपने अंडों को से रहा था। उसी समय समुद्र में तूफान सी लहरे उठने लगी पानी चढ़ने लगा और पानी अपने साथ अंडो को बहा ले गया, पक्षी बहुत दुःखी हुआ और उसने प्रतिज्ञा की कि मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी और अपने चोंच में सागर के जल को भर भर कर फेंकने लगी ऐसा करते करते उसे काफी समय बित गया समुद्र का जल घटा ही नही। वह दुःखी मन से अगस्त्य मुनि के पास गई और अपनी व्यथा सुना समुद्र को सुखाने की प्रार्थना की। अगस्त्य मुनि ने ध्यान से पक्षी की व्यथा सुनी और चिंता व्यक्त की। ऋषि विचार करने लगे की मैं कैसे इस पक्षी की सहायता कर सकता हूं। उन्हें चिंता होने लगी की मैं कैसे समुद्र के जल को पी कर सुखा सकूंगा। विचार करते हुए अगस्त्य मुनि ने गणेश जी का स्मरण किया और संकट चतुर्थी व्रत को पूरा किया। तीन मास व्रत करने से गणेश जी प्रसन्न हो गए। गणेशजी ने मुनि का मार्ग प्रशस्त किया चौथ व्रत की कृपा से अगस्त्य मुनि ने प्रेम से समुद्र को पी कर सुखा दिया और पक्षी की प्रतिज्ञा को पूरा किया। प्रतिज्ञा पूरी होने से पक्षी भी खुश हुआ।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत, रूस और चीन भाई-भाई

वर्तमान में एशिया के लिए इसी प्रकार का एक और भ्रातृत्व अनिवार्य है यथा पश्चिमी देश अमेरिका की रहनुमाई में रह कर पूरी दुनिया के स्रोतों का दोहन कर रहे हैं और एक-एक करके सर्वत्र फूट डाल कर विवाद खड़े करते हैं और अपना उल्लू सीधा करते हैं। अमेरिका अब तक संसार में कई युद्ध करवा चुका है और भारत-चीन और रूस का कभी हित नहीं किया। अब अचानक फिर तराजू बंदर के हाथ आ गया है और अब वह भारी भरकम टैरिफ का डंडा भारत, रूस और चीन पर बरसा रहा है। वह चाहता है कि भारत रूस से क्रूड ऑयल न खरीदे। भारत अपने हित-अहित जानता है और उक्त तीनों देश ट्रंप की हेकड़ी जरूर समाप्त करेंगे, आने वाले समय की यही पुकार है।

- सुरेश यादव, धमतरी

करंट अफेयर

द. अफ्रीका में सिक्खों के शांति पहल में धार्मिक नेता

सिख समुदाय द्वारा अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने और पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में शांति स्थापना के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में 300 से अधिक धार्मिक और सामुदायिक नेता एकत्र हुए। यह भव्य कार्यक्रम रविवार शाम सैंडटन में आयोजित किया गया जिसका विषय था 'विश्वासों को जोड़ना: अफ्रीका में अंतरधार्मिक सद्भाव के माध्यम से शांति को बढ़ावा देना'। आयोजकों ने कहा कि अपनी तरह का यह पहला आयोजन पूरे महाद्वीप में शांति और सहयोगात्मक आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने की दिशा में आधारशिला बनने की महत्वकांक्षा रखता है। गुरुद्वारा साहिब जोहानिसबर्ग, सिख काउंसिल ऑफ अफ्रीका, हेवनली कल्चर वर्ल्ड पीस रेस्टोरेशन ऑफ लाइट (एचडब्ल्यूपीएल) और गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में ईसाई, मुस्लिम, हिंदू, सिख और अफ्रीकी पारंपरिक धर्म के नेता एक साथ आए। दक्षिण अफ्रीका के सहकारी शासन एवं पारंपरिक मामलों के उप मंत्री डॉ. नामाने डिक्सन मासेमोला ने कहा कि 1996 में अपनाया गया दक्षिण अफ्रीका का संविधान सभी धर्मों और आस्थाओं को मान्यता देता है। मासेमोला ने कहा- धार्मिक नेता शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ऑफ बीट

आत्महत्या के सटीक जवाब देने में कारगर नहीं एआई चैटबॉट

एक अध्ययन तीन लोकप्रिय कृत्रिम मेधा चैटबॉट्स पर यह जानने के लिए किया गया कि वे आत्महत्या से जुड़े सवालों पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। इसमें पाया गया कि वे आमतौर पर ऐसे सवालों का जवाब देने से बचते हैं जो उपयोगकर्ता के लिए सबसे ज़्यादा जोखिम वाले होते हैं, जैसे कि आत्महत्या करने के तरीकों से जुड़ी विशिष्ट जानकारी। हालांकि कम गंभीर लेकिन नकुसान पहुंचाने वाले सवालों पर ये जवाब देने में उतने कारगर नहीं है। ओपनएआई के चैटजीपीटी, गूगल के जेमिनी और एंथ्रोपिक के क्लाउड में 'और अधिक सुधार' की जरूरत बताई गई है। आरएएनडी कॉर्पोरेशन ने यह अध्ययन किया है और इसका (अध्ययन का) वित्तपोषण अमेरिका के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान ने किया है। अनुसंधान में चिंता व्यक्त की गई है कि बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए एआई चैटबॉट पर निर्भर हैं। अध्ययन में इस बात के लिए मानक स्थापित करने का प्रयास किया गया है कि कंपनियां इन प्रश्नों का उत्तर कैसे दें। अनुसंधान पत्र के प्रमुख लेखक तथा आरएएनडी के वरिष्ठ नीति अनुसंधानकर्ता रयान मैकबेन ने कहा, हमें कुछ सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

ट्रेंड

वंदे भारत एक्सप्रेस

मराठवाड़ा के विकास को गति देने के लिए, हम गतिशील परिवहन समाधानों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आज, 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ने नांदेड़ को मुंबई के और करीब ला दिया है, जिससे इस क्षेत्र के लिए अवसरों और समृद्धि के नए द्वार खुल गए हैं।

-देवेंद्र फडणवीस, सीएम, महाराष्ट्र

नक्सलवाद

नक्सलवाद ही कांग्रेस का 'संविधान' है। वामपंथी सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाकर उसने इस पर मुहर लगा दी है। लेकिन यह समझ लें कि अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक नक्सलियों को साफ करने का बीड़ा उठा लिया है।

-केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

एजेंसीज का दुरुपयोग

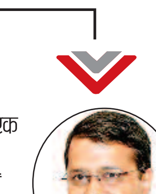

सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड मोदी सरकार द्वारा एजेंसीज के दुरुपयोग का एक और मामला है। जिस तरह "आप" को टारगेट किया जा रहा है, ऐसे इतिहास में किसी पार्टी को नहीं किया गया। मोदी सरकार हमारी आवाज़ दबाना चाहती है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

वैकल्पिक संभावनाएं

उद्योग जगत के नेता/सीईओ एआई के कारण 'नौकरियों के नुकसान' का शोर मचा रहे हैं। उन्हें यह एहसास नहीं है कि उनकी 'नौकरियाँ' या पद ज़्यादा खतरे में हैं। क्योंकि अब कर्मचारियों को वैकल्पिक संभावनाएं तलाशने का मौका मिल गया है।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

टीवी मसाला

इन 7 सदस्यों पर लटकी घर से बेघर होने की तलवार

नई दिल्ली। सलमान खान का विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। शो में इस बार 15 हस्तियों ने एंट्री की है, और आते ही बवाल काटना शुरू कर दिया है। जहां प्रीमियर के बाद दूसरे दिन घरवालों में आते ही झगड़ा देखने को मिला। वहीं, अब नॉमिनेशन्स भी शुरू हो गए हैं। इस हफ्ते बेघर होने के लिए कौन-कौन नॉमिनेट हुए हैं, उनके नाम आ चुके हैं। 'बिग बॉस 19' के 25 अगस्त वाले एपिसोड में सभी कंटेस्टेंट्स को असेम्बली रूम में बुलाया गया था। वहां पूछा गया कि अभी घरवालों को कौन-सा सदस्य कम एक्टिव है। ज्यादा वोट फरहाना भट्ट को मिले, जिसके बाद उन्हें घरवालों की नजरों में तो बेघर कर दिया गया लेकिन जनता के लिए वह सीक्रेट रूम में हैं, जहां से पूरे घर को मॉनीटर कर रही हैं। घरवालों को जहां ये लगा कि पहले हफ्ते का पहला एविक्शन हो गया है तो वह सेफ हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। 26 अगस्त को आने वाले नॉमिनेशन स्पेशल में टास्क हुआ, और उसमें कुल सात कंटेस्टेंट्स बेघर होने के लिए नॉमिनेट किए गए। इसमें अभिषेक बजाज, गौरव खन्ना, जीशान कादरी, नीलम गिरी, तान्या मित्तल, नतालिया जानोसजेक और प्रणति मोरे का नाम शामिल है। वैसे हर सीजन की एक रीत रही है कि पहले हफ्ते मेकर्स किसी को बेघर नहीं करते। लेकिन इस बार अगर कुछ नया करना हुआ तो कोई एक सदस्य बाहर जा सकता है।

बप्पा को घर लाए गुरमीत और देबिना

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी का त्योहार आ गया है। लोगों के घरों में बप्पा का आगमन होना शुरू हो गया है। बॉलीवुड में भी कई सेलेब्स हैं, जो हर साल बप्पा को अपने घर लाते हैं। अब इस साल भी ये सिलसिला शुरू हो गया है। टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफर करने वाले अभिनेता गुरमीत चौधरी और उनकी पत्नी देबिना बनर्जी ने अपनी परंपरा को कायम रखा है। दोनों हर वर्ष की भांति इस साल भी अपने घर बप्पा को लाए हैं। अब इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है।

गणपति के परम भक्त माने जाने वाले गुरमीत और देबिना के जोड़े ने अपनी बेटियों लियाना और दिविशा के साथ बप्पा का अपने घर में स्वागत किया है। वायरल वीडियो में दोनों अपनी गणपति की मूर्ति घर लाने से पहले एक मूर्ति की दुकान पर जाते हुए दिखाई दिए। इस वीडियो में परिवार बड़े प्यार से मूर्ति को ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। परंपरा का पालन करते हुए मूर्ति के चेहरे को कपड़े से ढक दिया गया, जो गणेश चतुर्थी समारोह के दौरान आधिकारिक अनावरण तक अनुष्ठान की पवित्रता का प्रतीक होता है।

अपनी मिमिक्री देख भड़के सुनील
बोले- इतना घटिया मैंने कभी नहीं देखा

मुंबई। सुनील शेट्टी हाल ही में एक इवेंट में पहुंचे और इस दौरान जब एक आर्टिस्ट ने उनकी मिमिक्री की तो वह काफी भड़क गए। इतना ही नहीं, उन्होंने आर्टिस्ट को दोबारा उनकी मिमिक्री करने से मना कर दिया। सुनील शेट्टी जो आम तौर पर काफी कूल दिखते हैं, उनका नया वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह गुस्से में नजर आ रहे हैं। वीडियो में आप देखेंगे कि सुनील एक आर्टिस्ट को उनकी मिमिक्री करने के लिए डांट रहे हैं और सभी काफी हैरानी से एक्टर को देख रहे हैं। वीडियो भोपाल का बताया जा रहा है, हालांकि कब का है यह इवेंट पता नहीं चल पाया है। सुनील बोलते हैं, 'तब से यह भाईसहाब अलग-अलग डायलॉग बोल रहे हैं जो मेरी आवाज में है ही नहीं। इतना घटिया मिमिक्री मैंने कभी देखा बी नहीं है। जब सुनील शेट्टी बोलता है तो एक मर्द की तरह बोलता है, ये बच्चे की तरह बोल रहा था। बेटा जब मिमिक्री करते हो तो अच्छे से करनी चाहिए। खराब नकल नहीं करनी चाहिए।' सुनील की इस बात को सुनकर मिमिक्री आर्टिस्ट माफी भी मांगते हैं। वह बोलते हैं, 'सॉरी सर, मैं बिल्कुल आपकी मिमिक्री करने की कोशिश नहीं कर रहा था।' इस पर सुनील बोलते हैं कि कोशिश करना भी मत बेटा। अभी बहुत टाइम है सुनील शेट्टी बनने में, पीछे बाल बांधने से कुछ नहीं होता है। अभी बच्चा है, लगता है सुनील शेट्टी की एक्शन फिल्म नहीं देखी है इसने। इस वीडियो को देखकर सब काफी हैरान हैं और सुनील के रिएक्शन से निराश भी हैं। किसी ने कमेंट किया कि ये काफी रूड है। वहीं एक ने लिखा कि सुनील शेट्टी की इतनी अच्छी इमेज है, लेकिन उन्होंने कुछ ही सेकेंड में इसे खराब कर दिया।

अनीत यशराज की फिल्म में मनीष संग करेंगी काम उधर विक्की कौशल की 'महावतार' को झटका

मुंबई। अनीत पड्डा के फैंस के लिए बड़ी खुशखरी है। खबर है कि यशराज फिल्म्स ने उन्हें एक और नई रोमांटिक फिल्म ऑफर की है, जिसे 'बैंड बाजा बारात' फेम मनीष शर्मा डायरेक्ट करेंगी। दूसरी ओर, चर्चा है कि विक्की कौशल की 'महावतार' पोस्टपोन हो गई है।

अनीत पड्डा और अहान पांडे इन दोनों ही युवा कलाकारों के करियर पर आदित्य चोपड़ा की बारीक नजर है। 'सैयारा' की सफलता के बाद, दोनों ही जेन-जी के लिए रोमांस का चेहरा बनकर उभरे हैं। ऐसे में आदित्य का मानना है कि एक और रोमांटिक फिल्म के लिए यह एकदम सही समय है।

उन्होंने इसके लिए अपने पुराने भरोसेमंद मनीष शर्मा पर दांव लगाया है। नई रोमांटिक फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू हो गया है। बैंड बाजा बारात और शुद्ध देसी रोमांस जैसी फिल्मों से मशहूर हुए मनीष शर्मा की यह फिल्म पंजाब पर आधारित होगी। इसकी शूटिंग 2026 की पहली छमाही में शुरू हो जाएगी। इससे पहले फिल्म की कास्टिंग पर काम होगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मेकर्स अनीत के अपोजिट लीड रोल में किसे कास्ट करते हैं। वैसे, मनीष शर्मा की पिछली फिल्म सलमान खान संग 'टाइगर 3' थी, जो बॉक्स ऑफिस पर दम नहीं दिखा पाई थी।

दूसरी ओर, विक्की कौशल की फिल्म 'महावतार' इसी साल आखिरी तिमाही में फ्लोर पर आने वाली थी। लेकिन, अब इसके निर्माण में देरी होगी। विक्की इन दिनों संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में बिजी हैं। इसलिए वह 'महावतार' की शूटिंग अगले साल अप्रैल से पहले शुरू नहीं कर पाएंगे। ऐसे में इसे दिसंबर 2026 में रिलीज करना संभव नहीं होगा।

देवा हो देवा गणपति देवा, तुमसे बढ़कर कौन ...

बॉलीवुड के ये गाने गणेश चतुर्थी पर ले आते हैं भक्ति की शक्ति

नई दिल्ली। आज से देशभर में गणेश उत्सव शुरू हो रहा है। पंडाल सज चुके हैं और लोग गणपति बप्पा का स्वागत करने को बेताब हैं। ऐसे में बॉलीवुड के भक्ति से भरे ये गणेश चतुर्थी स्पेशल गाने उत्सव का रंग और खास बना देते हैं।

देवा श्री गणेश (अग्निपथ) : ऋतिक रोशन और प्रियंका चोपड़ा पर फिल्माए गए इस गाने का संगीत अजय अतुल ने दिया है। जबकि गाने को अजय गोगवाले ने आवाज़ दी है।

मोरिया रे (डॉन (2013) : शाहरुख़ खान पर यह गाना फिल्माया गया है, जिसे शंकर महादेवन ने आवाज़ दी है। जावेद अख्तर के लिखे इस गाने का संगीत शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है, जो खासकर विसर्जन के वक्त बजाया जाता है।

बप्पा (बैंजो) : रितेश देशमुख और नर्गिस फखरी पर यह गाना फिल्माया गया है। गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और विशाल-शेखर इसके कंपोजर हैं। विशाल ददलानी ने यह सॉन्ग गाया है।

शंभू सुतया (एनी बडी कैन डांस) : गणेश आचार्य, प्रभु देवा आदि पर फिल्माया गया यह गाना सचिन जिगर ने कंपोज किया है। गाने के बोल मयूर पुरी ने लिखे हैं और शंकर मदेवन और विशाल ददलानी ने इसे आवाज़ दी है।

सड्डा दिल भी तू (एनी बडी कैन डांस) : इस गाने को आवाज़ हार्ड कौर ने दी है। सचिन जिगर इसके कंपोजर हैं और मयूर पुरी ने इस गाने के बोल लिखे हैं।

गजानना (बाजीराव मस्तानी) : रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण जैसे कलाकारों से सजी फिल्म का यह गाना सुखविंदर सिंह ने गाया है।प्रशांत इंगोले ने इसके बोल लिखे हैं। श्रेयस पुराणिक ने गाने को कंपोज किया है।

विघ्नहर्ता (अंतिम : द फाइनल ट्रुथ) : सलमान खान और आयुष शर्मा स्टारर फिल्म का यह गाना वरुण धवन पर फिल्माया गया है। गाने के बोल वैभव जोशी ने लिखे हैं और संगीत हितेश मोदक ने दिया है। अजय गोगवाले इस इस गाने के सिंगर हैं।

गणपति आरती (सरकार 3) : अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया यह गाना उन्होंने ही गाया है। रोहन विनायक ने इस गाने का संगीत दिया है।

गणपति बप्पा (दिन दहाड़े) : सुरेश वाडकर और कुमार सानू ने इस गाने को आवाज़ दी है। गाने के कंपोजर जीतू-तपन हैं और नक्श ल्यालपुरी ने इस गाने के बोल लिखे हैं।

देवा हो देवा (हमसे बढ़कर कौन) : आशा भोसले, शैलेन्द्र सिंह, भूपिंदर, सपन चक्रवर्ती, और मोहम्मद रफ़ी ने यह गाना गाया है। राम लक्ष्मण इसके कंपोजर हैं और रविंदर रावल ने इसके बोल लिखे हैं।

शेंदूर लाल चढ़ायो (वास्तव) : गणेश चतुर्थी के लिए एक गान माना जाता है, इसे अक्सर गणेश के आगमन और विसर्जन के दौरान बजाया जाता है। संजय दत्त का भावनात्मक प्रदर्शन इसके प्रभाव को बढ़ाता है।

'सुनो गणपति बप्पा मोरया (जुड़वा 2) : वरुण धवन की फिल्म 'जुड़वा 2(2017)' में 'सुनो गणपति बप्पा मोरया.' बहुत ही शानदार ढंग से फिल्माया गया है। वरुण धवन ने इस गाने पर कमाल का डांस किया है। गणेश उत्सव में भी यह गीत आम जनमानस बजाते हैं।

मेरा ही जलवा (वॉन्टेड) : साल 2009 में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म वॉन्टेड में 'मेरा ही जलवा' नाम एक गाना था, जिसमें सलमान खान का किरदार गणेश उत्सव में जमकर डांस करता है। बप्पा की पूजा करता है। इस गाने में अनिल कपूर की झलक भी देखने को मिलती है।

सुख कर्ता दुख हर्ता (अतिथि तुम कब जाओगे) : अजय देवगन की फिल्म 'अतिथि तुम कब जाओगे(2010)' में मराठी भाषा की चर्चित गणेश आरती शामिल थी। यह फिल्म के क्लाइमैक्स में आती है। यह आरती फिल्म में दिए गए संदेश को और भी खास बना देती है।

बिजनेस साइट

पतंजलि की नई खोजः इम्यूनोग्रिट से थमेगा असमय बुढ़ापा

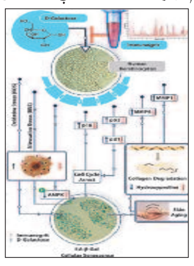

हरिद्वार। पतंजलि अनुसंधान संस्थान ने आयुर्वेद की प्राचीन अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों के प्रयोग से तैयार की गई औषधि 'इम्यूनोग्रिट' के जरिए असमय बुढ़ापे को धीमा करने का दावा किया है। आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि यह औषधि न केवल त्वचा की झुर्रियों को कम करती है, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान जीवनशैली, तनाव और प्रदूषण के कारण 35-40 वर्ष की उम्र में ही बुढ़ापे के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इम्यूनोग्रिट, विदारीकंद, शतावरी, अश्वगंधा, सफेद मूसली सहित कई औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार की गई है, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक है।

एलन टैलेंटेक्स रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 सितंबर

कोटा। देशभर के स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा टैलेंटेक्स 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। यह परीक्षा छात्रों को 2.50 करोड़ रुपए के कैश प्राइज और 250 करोड़ रुपए तक की स्कॉलरशिप जीतने का मौका देती है। साथ ही, परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एलन के क्लासरूम और डिजिटल कोर्स में 90 प्रतिशत तक की फीस छूट भी मिल सकती है। एलन के वाइस प्रेसिडेंट एवं टैलेंटेक्स के नेशनल हेड पंकज अग्रवाल ने बताया कि अब तक 18.25 लाख से अधिक विद्यार्थी इस परीक्षा में हिस्सा ले चुके हैं। इस वर्ष यह परीक्षा कक्षा 5वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 5 और 12 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी, जो कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में उपलब्ध होगी।

- कैश प्राइज और एलन फीस में 90% तक स्कॉलरशिप पाने का सुनहरा मौका

तैयारी के लिए टेस्ट पेपर्स और सिलेबस उपलब्ध

रजिस्ट्रेशन के साथ ही छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए टेस्ट पेपर्स भी वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे। परीक्षा का सिलेबस एनसीआरटी पर आधारित होगा और विस्तृत जानकारी टैलेंटेक्स की आधिकारिक वेबसाइट पर देखी जा सकती है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सरलः विद्यार्थी वेबसाइट पर जाकर या अपने नजदीकी एलन सेंटर पर जाकर परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सुजुकी मोटर अगले पांच-छह साल में भारत में 70,000 करोड़ रुपए का करेगी निवेशः तोशीहिरो

हंसलपुर (गुजरात)। जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि देश में अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए अगले पांच से छह साल में कंपनी 70,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत में बनी मारुति ई-विटारा का जापान सहित 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा।

चांदी 3,000 रुपए उछली व सोना 600 रुपए बढ़ा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 1,00,770 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमतें 3,000 रुपये बढ़कर 1,18,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट | रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

मोतियाबिंद | आयुष्मान कार्ड सुविधा | SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

डायबीटिज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

श्रीरामकिंकर हॉस्पिटल
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 सरोपी तालाब के सामने, बिलासपुर रोड, सिगमा फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक सेवाएं • मुहांसे • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑंक्रोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

NMH निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

रायपुर में अब मेट्रो शहरों जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अब आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं के लिए मेट्रो शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता नहीं रही। रायपुर में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों, अत्याधुनिक तकनीकों और व्यापक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ समर्पित इलाज उपलब्ध है। बदलती जीवनशैली और बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच, शहर के प्रमुख चिकित्सा संस्थान रोग निदान और उपचार में नवीनतम प्रगति के साथ रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान कर रहे हैं।

एसबीएच में बायोप्टिक लेसिक लेजरः चश्मे से आजादी

रायपुर के साईं बाबा नेत्र चिकित्सालय (एसबीएच) ने हाल ही में बायोप्टिक लेसिक लेजर तकनीक की शुरुआत की है, जिससे मरीजों को मोतियाबिंद सर्जरी के बाद चश्मा लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। डायरेक्टर डॉ. आशीष महोबिया के अनुसार, यह प्रक्रिया पूरी तरह से स्पर्श व दर्द रहित है और इसमें लगाए गए लेंस से दृष्टि सुधार में बेहतर परिणाम मिलते हैं। पहले जहां इस तकनीक के लिए लोगों को मेट्रो शहरों की ओर रुख करना पड़ता था, अब यह सुविधा कम लागत में रायपुर में ही उपलब्ध हो चुकी है।

टीबी की जांच और निदान में अग्रणीः 'द अमेरिकन लेबोरेटरी' बना भरोसेमंद केंद्र

THE AMERICAN LABORATORY A Superspeciality Diagnostics

रायपुर की द अमेरिकन लेबोरेटरी, डॉ. करुणा रूपरेला के नेतृत्व में टीबी की त्वरित और सटीक पहचान के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रही है। यहां अत्याधुनिक जांच विधियां उपलब्ध हैं जो टीबी की पुष्टि के साथ-साथ दवा प्रतिरोध (ड्रग रेसिस्टेंस) की जानकारी भी प्रदान करती हैं। सटीक रिपोर्टिंग, प्रशिक्षित स्टाफ और समय पर निदान ने इस केंद्र को रायपुर सहित पूरे प्रदेश के लिए एक भरोसेमंद संस्थान बना दिया है।

निवेद चेस्ट एंड आई केयरः चौबे कॉलोनी में आधुनिक मल्टीस्पेशियलिटी सुविधा

NIVED CHEST & EYE CARE

चौबे कॉलोनी स्थित निवेद चेस्ट एंड आई केयर, डॉ. देवी ज्योति दास (चेस्ट विशेषज्ञ) और डॉ. नमीत नंदे (नेत्र विशेषज्ञ) की देखरेख में फेफड़ों और आंखों की बीमारियों के लिए संपूर्ण इलाज उपलब्ध करा रहा है। यहां फेफड़ों से संबंधित अस्थमा, एलर्जी, लंग कैंसर जैसी बीमारियों का इलाज किया जाता हैं। नेत्र विभाग में कैटरैक्ट सर्जरी, रेटिनल लेजर्स, डायबिटिक रेटिनोपैथी, और ग्लूकोमा जैसे मामलों का विशेषज्ञ उपचार किया जा रहा है। इसके साथ ही मरीजों की सुविधा के लिए फार्मेसी, ऑप्टिकल्स और पैथोलॉजी लैब भी एक ही परिसर में उपलब्ध है, जिससे यह केंद्र एक वन-स्टॉप हेल्थ डेस्टिनेशन बन चुका है।

मधुमीत हॉस्पिटल की सोलेयस पुश एक्सरसाइज पहल

अवंति विहार स्थित मधुमीत डायबिटीज़ हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. राका शिवहरे का कहना है कि आज के समय में मधुमेह जैसी बीमारियों से बचने के लिए जागरूकता और जीवनशैली में बदलाव अत्यंत आवश्यक है। डॉ. राका बताते हैं कि सोलेयस पुश एक्सरसाइज एक सरल व्यायाम, जिसे कुर्सी पर बैठकर आसानी से किया जा सकता है जो मधुमेह की रोकथाम में कारगर सिद्ध हो रहा है। यह व्यायाम पिंडली की गहरी मांसपेशियों को सक्रिय करता है और इंसुलिन की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। मधुमेह से बचाव के लिए डॉ. राका नियमित हल्का व्यायाम, संतुलित आहार और समय-समय पर जांच कराने की सलाह देते हैं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- श्री वासु लॉजिस्टिक लिमिटेड कंपनी में काम करने हेतु सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है। अनुभवी व नजदीक रहने वालों को प्राथमिकता। कर्मचारी हेतु रूम की सुविधा उपलब्ध। इंटरव्यू के लिए सुबह 10 से 12 बजे तक, दिए पते पर पधारे, पता- वासु लॉजिस्टिक तेंदुआ रिंग रोड नं-4, रायपुर 9201835614, 7828901615.(RO-233)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- भाटापारा के एक चिकित्सा व डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए दो अनुभवी ग्रेजुएट लड़कों की जो पी.आर.ओ.- बैंकिंग व कंप्यूटर का कार्य कर सके। वेतन योग्यतानुसार रहने की सुविधा उपलब्ध संपर्क :- डॉ. रूपरेला डायग्नोस्टिक मो. 9300234270, 7987717614. (RO-6781)

पैकिंग कार्य/सेल्समैन

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में पैकिंग कार्य, कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन के लिए युवक/ युवतियों की आवश्यकता है। संपूर्ण बायोडाटा के साथ संपर्क करें। ओम फार्मा शॉप नं- 38, ओल्ड मेडिकल काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान रायपुर मो. नं. 9826176668.(RO-6780)

प्रचार कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में, इलेक्ट्रानिक सामान की प्रचार कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन-10,000 से 20,000 महीना योग्यतानुसार संपर्क करें:-8962274079. पता-आमापारा चौक, रायपुर (RO-A)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम की दुकान में टाटा ऐस चलाने हेतु ड्राइवर एवं काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़को की संपर्कः- दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर के पास 98271-14645, 91311-39179.(RO-236)

नर्सिंग स्टाफ

आवश्यकता है- घर पर ही रहकर बुजुर्ग एवं पेशेंट की देखभाल हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 10 वी, 12 वी, जी.एन.एम, ए. एन. एम, बी. एस. सी नर्सिंग, ड्यूटी 10 घंटे एवं 24 घंटे, स्थान- दुर्ग,भिलाई मो. - 87708-91489.(आरो न.-800)

आवश्यकता है- टाटीबंध, रायपुर स्थित नर्सिंग होम में ट्रेनी स्टाफ (12 वी पास) वेतन योग्यतानुसार। नर्सिंग स्टाफ (ANM, GNM), सैलरी 8-9000, योग्यतानुसार। रहने की सुविधा। मो. 9826077576, काल करने का समय 1-2 PM (RO-0047)

आवश्यकता

आवश्यकता है- सफ़ाई के लिए एक परिवार सुविधा रहने की बेहतरीन व्यवस्था, बिजली, पानी व सिलेंडर सहित, होलसेल गिफ्ट शॉप में नौकरी का सुनहरा मौका! 18–25 वर्ष के लड़के, 11,000/– मासिक +प्रति वर्ष वेतन वृद्धि 10:30 AM से 9:30 PM देवपुरी, रायपुर 8448107841, 9302708426. (RO-216)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- श्री वासु लॉजिस्टिक लिमिटेड कंपनी में काम करने हेतु तेलुगु/ कन्नड/ तमिल बोलने वाली टेली कॉलर की आवश्यकता है। अनुभवी व नजदीक रहने वालों को प्राथमिकता। कर्मचारी हेतु रूम की सुविधा उपलब्ध। इंटरव्यू के लिए सुबह 10 से 12 बजे तक, दिए पते पर पधारे, पता- वासु लॉजिस्टिक तेंदुआ रिंग रोड नं-4, रायपुर 9201835614, 7828901615.(RO-234)

ऑफिस/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य, माल पैकेजिंग, डिलवरी कार्य हेतु 10वी, 12वी पास युवकों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार मिलेः- डुको आर्ट शादीजा कंपाउंड LIG-64, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास अवंति विहार रायपुर 99932-40022.(RO-235)

पार्सल कार्य

आवश्यकता है- श्रीमारूति कोरियर ऑफिस में लड़कियों एवं डाक-पार्सल बांटने बाइकर लडके चाहिए। श्रीमारूति कोरियर, रिंगरोड-1, कालीमाता मंदिर के आगे, कुशालपुर, रायपुर, बायोडाटा भेजे 9399676408.(RO-232)

अन्य

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के- लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-790 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+ 56500) पढ़ाई (8वी से स्नातक) रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (सचिन शर्मा)- 7054311719. (RO-1114)

हरिभूमि

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 9202613238, 9229187457. (RO-1113)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification, Call/ WhatsApp/ SMS करें- 07295935703. (RO-1121)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 8873762120 (RO-589)

आवश्यकता है- आकर्षक ऑफर, पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार,लड़के - लड़कियां, महिलाऐ - पुरुष पैकिंग (24500 से 62500) महीना कमाऐ, फन्ड + बोनस- 9654778825.(RO-1123)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - प्लॉट बेचना है, कुल क्षेत्रफल 6620 SF, फ्रंटः 68 फीट ग्राम टेमरी, मानाकैंप के पास VIP रोड़ रायपुर संपर्क करे 6266858527, 7697600942, 6264715476.(RO-A)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Finance फायनेंस

फाइनेंस- जन कल्याण योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर (50,000/- से 15 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए संपर्क:- 9289384524. (RO-232)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

RAIPUR SMART BUSINESS
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड | CMA DATA | BALANCE SHEET | MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं (व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद "तलाश की नई सुबह" तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad. 6263818152

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये
● इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग हैं। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीब आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो वह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सूजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग हैं सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एकिजमा रोग हैं।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसेः शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनों थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659 9617789223, 9303242200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

जैकेट के शेष

चतुर्योग में आज ....

सत्य मन और शक्ति को लेकर असंतुलन होगा और जीवन में बाधाएं आयेंगी तो उसके निवारण का सारा उत्तरदायित्व भगवान श्रीगणेश का होगा, इसलिए लोग हर साल प्रथम पूज्य गणेश की स्थापना और सेवा का विधान गणेश पक्ष में करते हैं।

शुभ संयोग भक्तों ....

का नही अपितु अपने भक्त की समस्या के समूल नाश के लिए मानसिक एकाग्रता और शांति भी प्रदान करने वाला संयोग बन रहा है।

भद्रा का प्रभाव...

चिंतामणि में वर्णित है फिर जब चन्द्र कन्या राशि में होता है तो भद्रा पाताल लोक में गमन करती है। अतः भद्रा का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा।

50 फीसदी ट्रंप...

देश में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई हो या 17 सितंबर, 2025 को 12:01 बजे (ईडीटी) से पहले उपभोग के लिए गोदाम से बाहर ले जाया गया हो और आयातक ने एक विशेष 'कोड' घोषित करके अमेरिकी सीमा शुल्क को यह प्रमाणित किया हो। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है जिसे 50 प्रतिशत आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। इस उच्च अमेरिकी आयात शुल्क का असर सबसे अधिक भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न व आभूषण, झींगा, चमड़ा व जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन और विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी शामिल हैं। दवा, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे क्षेत्र इन व्यापक शुल्कों के दायरे से बाहर हैं।

जस्टिस संजय जाएंगे ....

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने इसी साल 6 मार्च को आयोजित बैठक के दौरान न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन को उनके जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से मध्य प्रदेश ट्रांसफर किया था। उनका जन्म 24 मई, 1966 को हुआ, जस्टिस श्रीधरन ने 1992 में दिल्ली में वकालत शुरू की। जिसके बाद साल 2001 में इंदौर चले गए। जहां उन्होंने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में अपनी वकालत जारी रखी। अप्रैल 2016 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किए गए।

फुर्सत में 52 ....

कि वे हाथियों के निकट न जाएं और किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल विभाग को उपलब्ध कराएं। कटघोरा वनमंडलाधिकारी ने बताया कि इस तस्वीर ने न केवल हाथियों के सामाजिक जीवन एवं पारिवारिक बंधन को उजागर किया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि जंगल इनके लिए सुरक्षित घर और आश्रय स्थल है।

बंद कमरे में ....

24 अगस्त को पीड़ित की मौत हो गई। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जहां जिला अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

मुआवजे की मांग : घटना की जानकारी लगने के बाद जिला पंचायत संजय नेताम पीड़ित परिवार से मिलने घर पहुंचे। आदिवासी विकास परिषद के उमेंदी कोर्राम, लोकेश्वरी नेताम ने कहा कि जिला मुख्यालय से लगे गांव में इस तरह की घटना कई सवाल खड़ा करता है। आदिवासी नेताओं ने पीड़ित परिवार को 50 लाख का मुवावजा और मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

बंद कमरे में तड़पता ....

को भी सुबह उपचार शुरू किया। बंद कमरे में भाई का इलाज हो रहा था, लेकिन अचानक दोनों कथित डॉक्टर कमरे से निकल कर कहा कि इंजेक्शन लगाया गया है, कोई अंदर मत जाना। आराम करने दो। यह कह कर बचत 10 हजार मांगे निकल गए। डॉक्टरों के जाते ही बेटी कमरे में दाखिल हो गई। खून से लथपथ तड़प रहा था। आनन फानन में जिला अस्पताल लिया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

कांग्रेस ने किया ....

▶▶ आपने एक धर्म गुरु के यहां जन्म लिया, धर्म से जुड़े काम करते, आप राजनीति में कैसे आ गए?

▶▶ ▶▶ हमारे पिता जी लगातार धार्मिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। हमारे पिता ने हम सभी भाई-बहनों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाने का भी काम किया। स्कूली शिक्षा मेरी तिल्दा के सेंचुरी सीमेंट के स्कूल में हुई। इंजीनियरिंग शंकराचार्य जुनवानी भिलाई से की। इसके बाद एमटेक किया। पढ़ाई के बाद जब घर आए तो देखा पिता दिन रात समाज के लिए काम कर रहे हैं तो हमारा भी मन किया तो हम भी जुड़ गए।

▶▶ राजनीति में केवल समाज की सेवा करने के लिए आए, या फिर राजनीति में ही जलवा है, इसलिए आए?

▶▶ ▶▶ हमें जलवा की जरूरत नहीं है। हम गुरु परिवार से आते हैं तो वैसे ही सम्मान बहुत है। हमारा उद्देश्य महज समाज सेवा ही है।

▶▶ राजनीति में लाया कौन?

▶▶ ▶▶ कौन लाया इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। पिता जी का आशीर्वाद था, उनके कहने पर ही राजनीति में आने का काम किया है। उन्होंने ही हाथ पकड़ कर राजनीति में कदम रखवाने का काम किया है। हमने सोचा सबसे पुरानी पार्टी कौन सी है तो ऐसे में कांग्रेस से जुड़ने का फैसला किया गया। हमारे पूर्वज भी पहले कांग्रेस पार्टी में रहे हैं। कांग्रेस में जाने के बाद काफी समय तक उनकी नीति को समझने का प्रयास किया। उसके माध्यम से जन सेवा भी करने का प्रयास किया। लेकिन हमने देखा किस तरह से कांग्रेस में भेदभाव की राजनीति चल रही है। किसी एक वर्ग को सम्मान दिया जा रहा है किसी एक वर्ग को छोड़ दिया जा रहा है। यह भी देखा कि किसी धर्म का अपमान भी किया जा रहा है। ये सारी चीजें हमने देखी। हम जिस समाज के हैं, उस समाज के लिए भी कोई कल्याणकारी योजनाएं नहीं निकल रही थी। इससे आहत होकर हमने अपने एससी वर्ग के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने अपनी बात भी रखी। अपनी बात रखने के बाद भी समाज के लिए कोई योजना नहीं बनी। हमने देखा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्लोगन है, सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। इसमें हमें हमारे परम पुज्य गुरु घासीदास बाबा का संदेश नजर आया। इसके बाद मैंने भाजपा में प्रवेश किया। मैं देख रहा हूं, समाज, प्रदेश और देश का विकास हो रहा है।

▶▶ ऐसा तो नहीं कि कांग्रेस में एक गुरु, रुद्र गुरु थे, इसलिए सोचा भाजपा में चलते हैं?

▶▶ ▶▶ रुद्र गुरु हमारे आदरणीय भैया है। ऐसा कुछ नहीं है। हमारी लगातार मुलाकात भी होती थी, लगातार चर्चाएं भी होती थीं। कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल में गिरौदपुरी के लिए भी कुछ काम नहीं किया गया। सतनामी समाज के साथ कांग्रेस ने भेदभाव ही करने का काम किया है। इस बात को रूद्र गुरु भी जानते हैं। उनको इस बात को पार्टी में रखना चाहिए।

▶▶ रुद्र गुरु का भाजपा में कोई भविष्य देखते हैं?

▶▶ ▶▶ भाजपा विश्व की सबसे विशाल पार्टी है। उनका स्वागत है, आ सकते हैं। मैं राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व से जरूर चर्चा करूंगा। वे आते हैं तो उनका स्वागत करेंगे। बड़े भाई रुद्र गुरु से भी चर्चा करेंगे, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से भी चर्चा करेंगे।

▶▶ मंत्रिमंडल में पहले नहीं लिए गए थे, तब दर्शक दीर्घा में बैठे कैसा लगा था?

▶▶ ▶▶ हमको पहली बार टिकट मिला और वह भी आरंग से। हम मायूस नहीं बहुत ज्यादा खुश थे। मुख्यमंत्री के रूप में जब विष्णुदेव साय का नाम आया तो बहुत खुश हुए। दोनों डिप्टी सीएम के नाम से भी खुशी मिली। मंत्रिमंडल में नए और अनुभवी चेहरों को मौका मिलते देखकर खुशी हुई थी।

▶▶ आपके समाज में भाजपा को लेकर विश्वास नहीं दिखता है, कारण क्या है?

▶▶ ▶▶ ऐसा नहीं है। समाज के बहुत से लोग भाजपा से भी जुड़े हैं और कांग्रेस से भी जुड़े हैं। ऐसा समय भी रहा है, जब एससी की 9 सीटें भाजपा ने जीती थीं। समाज लगातार भाजपा का समर्थन करता है। बहुत सी सीटों पर हमारे समाज का प्रभाव है। हमारे समाज के समर्थन से भाजपा जीतती है।

▶▶ क्या जरूरतें हैं आपके समाज कीं।

▶▶ ▶▶ बहुत सारी जरूरतें हैं। हमारे समाज के लोग चाहते हैं कि उनके क्षेत्र का तो विकास हो, साथ ही समाज के लोगों का शिक्षा का भी विकास हो। समाज के लिए मुख्यमंत्री लगातार काम कर रहे हैं।

▶▶ हर मामले में मुख्यमंत्री का ही नाम ले रहे हैं, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव हैं, उनकी भी कोई भूमिका है या नहीं?

▶▶ ▶▶ हमारे प्रदेशाध्यक्ष हैं किरण देव उनका हमेशा मार्गदर्शन मिलता है। वे लगातार मुझे अपने छोटे भाई की तरह प्रेम करते हैं। मुझे हर कार्यक्रम में ले जाते हैं।

▶▶ रवींद्र चौबे का एक बयान है, उन्होंने कहा, हम चाहते हैं भूपेश बघेल एक बार फिर से सरकार का नेतृत्व करें, पार्टी का नेतृत्व करें, इस बारे में क्या कहते हैं?

▶▶ ▶▶ भूपेश बघेल जब पांच साल सरकार में थे, तब किस प्रकार प्रदेश का बंटाधार हुआ है, सबसे देखा है। उन्होंने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी फूट डालो राज करो की नीति पर चलती है। उसी नीति पर ही भूपेश बघेल भी काम करते हैं। छत्तीसगढ़ को बर्बाद करने का काम भूपेश बघेल ने किया है। रवींद्र चौबे कहीं न कहीं उनके सहयोगी रहे हैं। उस भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हों, जो प्रदेश में किया गया, इसलिए वे चाहते हैं कि भूपेश बघेल फिर से बने। उनके रहते तो उनके जो चहेते हैं उनको ही मौका मिलता है। युवा और नए चेहरों को मौका नहीं मिलता है। प्रदेश की जनता जानती है, उनको फिर से मौका देने वाली नहीं है। आने वाले समय में हम लोग इतनी मेहनत करेंगे कि आगे भी भाजपा की सरकार बनती रहे।

▶▶ कई वरिष्ठों को मौका नहीं मिला, वो शपथ ग्रहण में भी नहीं आए?

▶▶ ▶▶ सभी ने मुझे फोन करके बधाई दी। बहुत सारे वरिष्ठ वहां पर उपस्थित भी थे। भाजपा हमेशा नए चेहरों को मौका देती है। भाजपा किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है।

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
Executive Engineer Public Works Division Bhokar, Dist Nanded

E-TENDER NOTICE NO.10/ 2025-26

Online Tender (e-tender) in B-2 form for the in Nanded District total 01 works are invited by the Executive Engineer, Public Works Division Bhokar, Dist Nanded (Phone No.02467-222658) on Government of Maharashtra Electronic Tender Management System. From the registered contractor in appropriate class of Public works Department of Maharashtra State. The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Maharashtra e-tender portal https://mahatenders.gov.in/ on sub portal www.mahapwd.gov.in as under.

Note: -
1) Details of the tender documents are available on e-tendering https://mahatenders.gov.in/ and www.mahapwd.gov.in website of the Government of Maharashtra.
2) If there are any changes in the tender notice, then the information will be display on the website.
3) Executive Engineer, Public Works Division Bhokar, Dist Nanded has reserved the right to accept or reject tenders.

sd/-
Executive Engineer
Public Works Division
Bhokar Dist. Nanded

आरओसी-2025-26/क्र. 5/C 2274

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमण्डल, हुसैनाबाद।

पत्रांक:– ...हुसैनाबाद, दिनांक–....../....../2025

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ई0 निविदा सूचना सं0–WRD/MID/HUSSAINABAD/F1-01/2025-26 (कुलिया मध्यम सिंचाई योजना का जीर्णोद्धार कार्य, प्रखण्ड–पाण्डू, जिला–पलामू) जिसका PR.NO:-359892 (District)25-26*D है, अपरिहार्य कारणवश निम्न संशोधन किया जाता है:–

क्र0 सं0	विवरणी	पूर्व में निर्धारित तिथि एवं समय	संशोधित तिथि एवं समय
1	ई0–निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि एवं समय	28.08.2025 (11:00 AM)	10.09.2025 (11:00 AM)
2	ई0–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	12.09.2025 (3:00 PM तक)	23.09.2025 (3:00 PM तक)
3	निविदा शुल्क और EMD ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	e-procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 12.09.2025 (3:00 PM तक)	e-procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 23.09.2025 (3:00 PM तक)
4	ई0–निविदा खुलने की तिथि एवं समय	13.09.2025 (04:00 PM)	24.09.2025 (04:00 PM)

निविदा की अन्य शर्तें पूर्ववत् रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, हुसैनाबाद।

PR 360511 District(25-26)D

झारखण्ड सरकार
जिला अभियंता कार्यालय, जिला परिषद, देवघर

अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना–06/2025-26
पुनः निविदा सूचना

1	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	दिनांक :–02.09.2025 समय :– 11:00 पूर्वाह्न
2	परिमाण विपत्र प्राप्त करने एवं अपलोड करने की अवधि एवं समय	दिनांक :–02.09.2025 समय :– 11:00 पूर्वाह्न से दिनांक :– 09.09.2025 समय :– 5:00 अपराह्न तक
3	निविदा खोलने की तिथि	दिनांक :–11.09.2025 समय :– 11:00 पूर्वाह्न
4	विज्ञापनदाता का नाम एवं पता	जिला अभियंता, जिला परिषद, देवघर।
5	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का सपंर्क नंबर	8709864300
6	निविदा सेल का सहायता संपर्क नंबर	8051066861, 7979033663

कार्य की विवरणी : वित्तीय वर्ष 2025–26

क्र0	कार्य का नाम	कुल प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	देवघर जिलान्तर्गत मधुपुर प्रखण्ड के प्रखण्ड स्तरीय स्टेडियम में आवासीय कबड्डी खेल छात्रावास (बालक) में 25 शैय्यावाले खेल छात्रावास निर्माण कार्य।	1,60,76,200.00	3,21,524.00	10,000.00	18 माह

नोट :– 1. सिर्फ ई–निविदा ही मान्य होगा।
2. अधिक जानकारी के http://jharkhandtenders.gov.in पर लॉग ऑन करें।
3. जिला परिषद, देवघर के दिनांक 13.11.2021 की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार वैसे संवेदक जिनको जिला परिषद में कार्य आवंटित है तथा कार्य लम्बित है एवं कार्य पूर्ण करने की तिथि समाप्त हो चुकी है वैसे संवेदकों को निविदा में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा।
4. वैसे संवेदक जिन्हें जिला परिषद, देवघर द्वारा कार्य आवंटित किया गया है परन्तु उनके द्वारा एकरारनामा नही किया गया है वे निविदा में भाग नही ले सकते हैं।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

जिला अभियंता
जिला परिषद, देवघर

PR 360540 Deoghar(25-26)#D

पेज एक के शेष

सब्सिडी के साथ...

से मुफ्त योजनाओं पर कितना खर्च कर रही है, यह तथ्य मंगलवार को हरिभूमि में प्रमुखता से प्रकाशित खबर के माध्यम से सामने आने के बाद ये सवाल भी सामने आया है कि सरकार और किन-किन मदों पर राशि खर्च करती है, उसके बाद राज्य के विकास कार्यों के लिए कितनी राशि शेष रह जाती है। इस सवाल का ये जवाब है कि कुल बजट में मुफ्त योजनाओं के अलावा अन्य आवश्यक एवं अनिवार्य खर्चों पर भी बड़ी रकम सरकार खर्च कर रही है। वित्त के जानकारों की मानें तो सरकार के बहुत बड़े खर्चों में राज्य के शासकीय सेवकों के वेतन, भत्ते, पेंशन, अनुदान वगैरह में बजट का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा खर्च होता है। सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में 1 लाख 65 हजार करोड़ रुपयों का बजट पेश किया था। इसमें से करीब 1 लाख 23 हजार 750 करोड़, इन्हीं खर्चों में चला जाएगा। इसके बाद जो बचेगा वो विकास के कामों में लगेगा।

बीजापुर से 100 गांवों...

दी गई, जब अपराह्न करीब तीन बजे पहाड़ की ढलानें ढह गईं और पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें तेजी से नीचे गिरने लगीं। अचानक आई आपदा से श्रद्धालु चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि अर्द्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान जारी है, जहां अपराह्न करीब तीन बजे भूस्खलन की घटना हुई।

24 घंटे से मूसलाधार...

लोगो को आवागमन नहीं करने की सख्त हिदायत दी है। बाढ़ के बीच चेरपाल रपटा पार करने के दौरान एक ग्रामीण बह गया। जिला मुख्यालय बीजापुर से लगभग 12 किमी दूर स्थित पदेड़ा नदी में बहा ग्रामीण कृष्णा जुर्री किसी तरह मरकापाल घाट के करीब टापू पर फंस गया, जिसकी खबर मिलते ही मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने घटों मशक्कत के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर ग्रामीण को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गौरतलब है कि बीजापुर जिले में बीती रात से हो रहे मूसलाधार बारिश के कारण जिले के नदी नाले उफान पर है। गंगालूर मार्ग पर स्थित चेरपाल नदी में बाढ़ आने के कारण 100 से अधिक गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट चुका है।

लोगों व वाहनों...

और आवाजाही करने वाली गाड़ियां फंस गई है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। लगातार बारिश से जिला मुख्यालय से लगे चेरपाल, गंगालूर समेत दर्जन भर से ज्यादा गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूटा हुआ है। लगातार बारिश से इलाके में जनजीवन बुरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है। बारिश से बिगड़े हालात को देखते हुए प्रशासन भी एलर्ट मोड पर है लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

सीएम साय ने जापान...

राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व सचिव श्रीमती कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंडों में प्रशासन लगातार राहत कार्य संचालित कर रहा है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मांदर से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है।

छत्तीसगढ़ में निवेश के...

से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

बिल को कोर्ट नहीं...

लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के वास्ते समय-सीमा निर्धारित कर सकता है। साल्वे ने दलील दी, 'न्यायालय राज्यपालों को विधेयकों पर मंजूरी देने के लिए आदेश-पत्र जारी नहीं कर सकता... किसी कानून पर मंजूरी न्यायालय द्वारा नहीं दी जा सकती। किसी कानून पर मंजूरी या तो राज्यपालों द्वारा या राष्ट्रपति द्वारा दी जानी चाहिए।संविधान पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं।

एक तिहाई स्कूली...

है। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया, ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर अधिक है, जहां दो-तिहाई (66.0 प्रतिशत) छात्र सरकारी विद्यालयों में नामांकित हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर 30.1 प्रतिशत है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा

अल्प कालीन ई-पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या :- 05(RI)/2025-26/RWD/EE/KODERMA दिनांक :- 26.08.2025

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेन्डर कॉल
1.	RWD/KODERMA/01/2025-26	प्रखण्ड जयनगर में गझनी से कटीया तक पथ निर्माण कार्य (लं0–2.000 कि0मी0)	2,15,71,800/-	दो करोड़ पन्द्रह लाख एकहत्तर हजार आठ सौ रू0 मात्र।	09 (नौ) माह	द्वितीय

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि–30.08.2025
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय–16.09.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय–18.09.2025 अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा झारखण्ड, पिन– 825410
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 8709561933/06534-297102
6. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–शुल्क भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/– कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा

PR 360542 Rural Work Department (25-26)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या –RDD/SD/CHAIBASA/08/2025-26(DMFT Fund)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र0 सं0	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	मनोहरपुर	मकरण्डा पंचायत के ग्राम सागजोड़ी में ताला टोला से सरना होते हुए सरवेन टोला उड़ीसा सीमा तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	23723000.00	475000.00	10000.00	6 माह
2	गोयलकेरा/नोवामुण्डी [illegible]	दिरीबुरू पंचायत में ग्राम बड़ा बालजोड़ी टोला गन्दसाई मुख्य सड़क से कुदापी तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	19209000.00	385000.00	10000.00	6 माह
3	नोवामुण्डी	कोटगढ़ पंचायत में मंगल सिरिया के घर के सामने नदी पर लघु सिंचाई निर्माण।	9743300.00	195000.00	10000.00	4 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि– 28.08.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय –दिनांक 28.08.2025 से दिनांक 09.09.2025 को अपराह्न 2:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 10.09.2025 अपराह्न 5.00 बजे
6. ई–निविदाआमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–8709623131 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. सरकार के संयुक्त सचिव ग्रामीण कार्य विभाग झारखण्ड सरकार राँची के पत्रांक 02(नि0नि0–17)–251/23 ग्रामीण कार्य विभाग 3130(अनु0), राँची, दिनांक 09.10.2023 द्वारा दिये गये निदेश के अनुपालन में **सभी कागजात के साथ, निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।**
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाब देही आपकी होगी।
11. निविदा खोलने की तिथि से 5 दिनों के अन्दर निविदादाता द्वारा अपनी आपत्ति/दावा दर्ज कराये अन्यथा अवधि बीतने के पश्चात् कोई भी आपत्ति /दावा मान्य नही होगा।
12. ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले) झारखण्ड के अन्तर्गत निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकेंगे।
13. बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।
14. जिन संवेदक का कार्य लंबित है उनको कार्य आवंटन नहीं किया जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम ,चाईबासा

PR 360386 West Singhbhum(25-26)#D

झारखण्ड स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
(झारखण्ड सरकार का उपक्रम)

का0:अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-प्रबन्ध निदेशक, झारखण्ड राज्य वन विकास निगम लि0, 455/A, रोड नं0-5, अशोक नगर, राँची

E-mail – md_jsfdc@yahoo.co.in / mdjsfdc@gmail.com TOLL FREE No. 18008891131

ई–निविदा सूचना संख्या ज0 व0 प0 प0 [के0 प0(पुराना)]–01/2025

वर्ष 2022 एवं पूर्व के मौसमों के राजसात/जप्त एवं अद्यतक अविक्रीत "जैसा है जहाँ है" केन्दू पत्ती की बिक्री हेतु

ई-निविदा

अतिअल्पकालीन ई-निविदा सूचना

वर्ष 2022 एवं पूर्व के मौसमों के राजसात/जप्त एवं अद्यतक अविक्रीत एवं भण्डारित केन्दू पत्ती की प्रचलवार "शुद्ध एक मुश्त राशि" पर "जैसा है जहाँ है" के आधार पर बिक्री हेतु ऑनलाईन ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें वेब पोर्टल www.jharkhandtenders.gov.in पर ऑनलाईन निम्नवत प्राप्त की जायेगी :–

निविदा चक्र (निविदा रेफरेन्स सं0)	समय	निविदा अभिलेख डाउनलोड एवं समर्पण की तिथि	निविदा खोलने की तिथि
प्रथम चक्र (KL(OLD)/1/2025)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	11.09.2025 17.09.2025	19.09.2025
द्वितीय चक्र (KL(OLD)/2/2025)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	24.09.2025 05.10.2025	07.10.2025
तृतीय चक्र (KL(OLD)/3/2025)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	08.10.2025 14.10.2025	16.10.2025
चतुर्थ चक्र (KL(OLD)/4/2025)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	18.10.2025 29.10.2025	31.10.2025
पंचम चक्र (KL(OLD)/5/2025)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	03.11.2025 09.11.2025	11.11.2025

क्रेता पंजीकरण पत्र, निविदा शुल्क, सत्यंकार राशि, निविदाकार का करारनामा, आयकर विभाग द्वारा निर्गत PAN की अभिप्रमाणित प्रति, पिछले तीन लेखा वर्षों के आयकर रिटर्न की अभिप्रमाणित प्रतियाँ, GST निबंधन संख्या के प्रमाण–पत्र की अभिप्रमाणित प्रति, विगत लेखा वर्ष के GST रिटर्न की प्रति तथा अपलोड किये गये अन्य दस्तावेजों की एक–एक प्रति निविदादाता निविदा खुलने की तिथि के एक दिन पूर्व (3.00 बजे अपराह्न) तक प्रमण्डलीय प्रबन्धक के कार्यालय में जमा करेंगे। समस्त इच्छुक निविदाकारों को ऑनलाईन निविदा भरने हेतु Digital Signature Certificate प्राप्त करना अनिवार्य है।

विस्तृत जानकारी यथा निविदा प्रपत्र, लॉट सूची, निविदाकार का करारनामा, निविदा से संबंधित शर्तें एवं क्लॉज आदि वेब साईट www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है। ऑनलाईन निविदा समर्पित करने के पूर्व निविदा प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें। अधिक जानकारी के लिये वन निगम के प्रमण्डलीय/अंचलीय कार्यालयों से तथा वन निगम मुख्यालय के निम्न पदाधिकारी/कर्मी से भी सम्पर्क कर सकते हैं :–

(1) उप निदेशक (विपणन), राँची, 8986653797 (3) श्री प्रसून कुमार, FPI, राँची, 9153989366
(2) उप निदेशक (मुख्यालय), राँची, 9431402051 (4) TOLL FREE NO. 18008891131

ह0/–
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–प्रबन्ध निदेशक,
झारखण्ड राज्य वन विकास निगम लि0, राँची

PR 360528 Jharkhand State Forest Development Corp Ltd (25-26)_D

आम सूचना

ग्राम-किरितपुर, प.ह.नं. 00021, रा.नि.मं. सरदा, तहसील-बेरला, जिला-बेमेतरा (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. क्रमशः- 1622/2, 1623/1-2,1624, 1625 एवं 1636 कुल रकबा 2.7700 हेक्टेयर भूमि बाबत

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेतागण, पूर्णेन्द्र साहू, भव्यवेश साहू, दिव्या साहू, सभी पिता स्व. धनप्रसाद साहू एवं दम्यंती साहू पति स्व. धनप्रसाद साहू, निवासी चंगोराभाटा, रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति जो कि ग्राम-किरितपुर, प.ह.नं. 00021, रा.नि.मं. सरदा, तहसील - बेरला, जिला- बेमेतरा (छ.ग.) स्थित है जिसका खसरा नं. क्रमशः 1622/2, 1623/1-2, 1624, 1625, एवं 1636 रकबा क्रमशः 0.5200, 0.3600, 0.3500, 0.5700, 0.4800, 0.4900 हे. कुल रकबा 2.7700 हेक्टेयर कृषि भूमि को क्रय करने का सौदा कर अग्रिम बयाना राशि अदा कर दिया है तथा उक्त इकरारशुदा संपत्ति का बैनामा निष्पादन एवं पंजीयन की कार्यवाही शेष है

उपरोक्त इकरारशुदा संपत्ति के संबंध में अथवा उसके किसी अंश के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय या अर्द्धशासकीय विभाग अथवा किसी बैंक, निगम या निकाय को किसी प्रकार की स्वामित्व, अंश, हित, अधिकार या कब्जा संबंधी कोई दावा या आपत्ति आदि हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन तिथि से 05 दिवस के भीतर अधोलिखित पते पर लिखित आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेजों सहित स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात मेरा पक्षकार उपरोक्त इकरारशुदा संपत्ति का बैनामा पंजीयन अपने पक्ष में करवाने स्वतंत्र होगा तत्पश्चात प्रस्तुत समस्त दावे व आपत्तियां पूर्णतः शून्य एवं अवैध होगी तथा मेरे पक्षकार के संव्यवहार पर किसी प्रकार से बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जाने

रायपुर (छ.ग.) भवदीय दिनांक - 26/08/2025

हेमंत साहू (अधिवक्ता)
खारून रेल विहार के सामने, फाफाडीह मार्केट, रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. - 98931 85616

पूर्व मध्य रेल
शुद्धिपत्र

इस कार्यालय के पत्रांक सं0– ईसीआर/ सीएओ/ कॉन/ दक्षिण/ टी/ ई.पी.सी/ [illegible]/09-25-26 दि. 09.07.2025 के संदर्भ में निम्नलिखित शुद्धिपत्र निर्गत की जाती है।

1. उपरोक्त निविदा की आकलित मूल्य रू. 188,50,91,816.17 के बदले संशोधित मूल्य रू. 191,32,61,000.08 पढ़ा जाय।
2. बयाना राशि (Earnest Money) रू 94,25,500.00 के बदले संशोधित मूल्य रू. 95,66,300.00 पढ़ा जाय।

कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र सिर्फ IREPS पर ही उपलब्ध किये जाएंगे।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण
पूर्व मध्य रेलवे, महेन्द्रूघाट, पटना।

[illegible]

शब्द पहेली - 5970

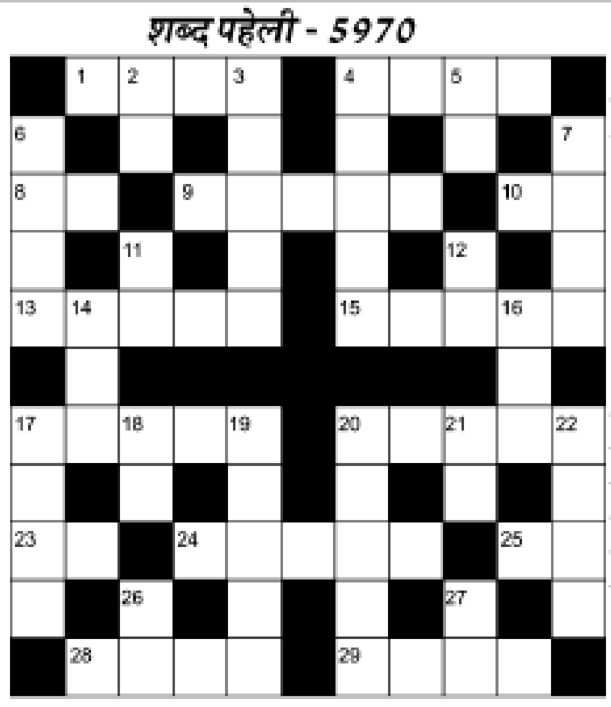

बाएँ से दाएं–
1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त, अकाल-5
20. प्रयास, कोशिश-5
23. टोंटी, नलका-2
24. कामदेव, पुष्कर-2,3
25. डर, भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा, व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे
2. बिंदु, बिंदी, शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा, नुकसान-2
6. मूर्ख, बेवकूफ-4
7. बिना कारण, बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम, संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह, किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. धलमानसता-4
26. सद्, अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -5969 का हल

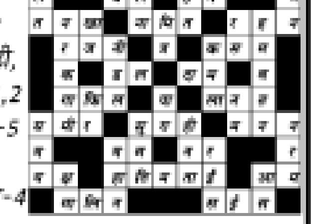

सुडोकू बवाल - 5980

* * * * * इंटिमम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सुडोकू बवाल - 5979 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

तीजा के बाद बासी खाने का महत्व

परम्परा
डा. ज्योति किरण चंद्राकर

छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत स्पष्ट झलकता है। 'तीजा' (हरितालिका) का व्रत बेटियों व बहनों के सम्मान में किया जाता है। सभी महिलाएं और युवतियां निराहार व निर्जला रहकर शिवजी- पार्वती जी की आराधना कर सौभाग्य प्राप्ति हेतु तीजा का व्रत रखती हैं। यह व्रत विवाहित सुहागन, विधवा, कुंवारी लड़कियां सभी नारी शक्ति को सौभाग्यशाली व शक्ति संपन्न बनाने वाला माना जाता है। अखंड सौभाग्य की कामना के लिए स्त्रियां तीजा का व्रत निराहार, निर्जला रखती है।

यह व्रत भादो माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन स्त्रियों द्वारा मायके में जाकर रखा जाता है। इस व्रत में मिट्टी या रेत का पार्थिव शिवलिंग बनाकर तीन प्रहर पूजा करने का विधान है। महिलाएं निराहार व निर्जला रहकर शिवजी की आराधना अपनी सौभाग्य प्राप्त की हेतु करती हैं।

छत्तीसगढ़ में तीजा व्रत के लिए भाई या पिता द्वारा बहन, बेटी को मायके लाने की परंपरा है। जिसे 'तीजा लिवाना' कहा जाता है। यह पर्व तीन दिवस मनाने का रिवाज है। प्रथम दिवस संध्या प्रहर में 'करू भात' खाया जाता है । जिसमें व्रत रहने वाली सभी महिलाएं करेला, खेख्सी, चेच भाजी, चावल के साथ रात्रि में एक दूसरे के घर जाकर खाती हैं। दूसरे दिन निर्जला रहकर तीनों प्रहर शिवजी की आराधना शिवालय में जाकर या घर में भी रेत से पार्थिव शिवलिंग बनाकर करती है। जब स्त्री विवाह के प्रथम तीज का उपवास रखती हैं तब वह अपनी बुआ, मां व मायके के रिश्तेदारों के साथ नदी, तालाब में स्नान करके नदी से सात मुट्ठी रेत निकालकर नए पर्रे पर रखती है। उसमें से आधे रेत से नदी के किनारे पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूजन कर सुहाग की सामग्री फल ,प्रसाद चढ़ाती हैं और शेष आधे बालू को घर में लाकर शिवलिंग बनाकर 'फुल्हेरा' से सजाकर तीनों प्रहर पूजा करती है। 'फुल्हेरा' बनाने के लिए केले के खंभ का मंडप बनाकर रेशमी वस्त्रो व फूलों से सजाकर शिवलिंग की पूजा की जाती है। इसी मंडप को 'फूल्हेरा' कहा जाता है। जब स्त्री पहले तीज का उपवास रखती है तो पंडित जी को बुलाकर तीजा महत्तम की कथा अपने मायके वाले के साथ सुनती है। तथा रात्रि को भजन गाकर जागरण करने का रिवाज करती है। दूसरे दिन प्रातः काल पार्थिव शिवलिंग को नदी या तालाब में विसर्जित करती है, और शंकरजी, तुलसी माता की पूजाकर चरणामृत ग्रहण कर व्रत का पारण करती है। पारण करने पश्चात ब्राह्मणों को अन्न, वस्त्र, फल आदि दानकर मायके में ली हुई नई साड़ी पहनकर फलाहार करती है । जिसे 'बासी खाना' कहा जाता है । क्योंकि पहले दिन कतरा, पुरी , मीठा बनाकर रखते है और व्रत तोड़ते समय अगले दिन उसे ग्रहण करते है, इसलिए इसे 'बासी खाना' कहा जाता है। ग्रामीण अंचल में तीजा पर्व में बेटियाँ अपने मायके के रिश्तेदारों के घर बासी खाने जाती है और एक दूसरे को श्रृंगार सामग्री व उपहार भेट में देती है ।

तीजा व्रत से संबंधित कथा प्रचलित है कि, पार्वतीजी ने शंकरजी को पति स्वरूप पाने के लिए निराहार, निर्जला रहकर शिवजी की आराधना की थी। तब शिवजी प्रसन्न होकर माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किए थे। इसी लोक आस्था से सभी महिलाएं तीजा व्रत का उपवास निर्जला रहकर शिवजी की आराधना करके अपनी सुहाग की दीर्घायु की कामना करती है। वर्तमान समय में 'फुल्हेरा' बनाने का प्रचलन कम हो गया है। शहरी क्षेत्र में महिलाएं क्लब व मंचों के माध्यम से तीज मिलन व मनोरंजनात्मक कार्यक्रम आयोजित कर इस त्यौहार को मनाने लगी है, जो कि आधुनिकता को दर्शाता है।

लोकगीत
डा. श्रीमती बसंत नाग

आदिवासी अंचल में अनुष्ठानिक गीत

जनजातियों के व्रत त्योहारों में देवी देवताओं तथा पूर्वजों के प्रति अटूट विश्वास और आस्था आज भी जीवित हैं। तांत्रिक मंत्रों को गीत के माध्यम से उच्चारित किया जाता है। इसके पश्चात सिरहा के शरीर में देवता का प्रवेश होता जाता है और सिरहा विशेष गुड़ा और आवाज कर कांपने लगता है। इस प्रक्रिया को देवता आना कहा जाता है। देव का स्वागत करने हेतु धूप दिया जाता है। देवता जो सिरहा (बैगा) के शरीर में अवतरित होते हैं, वे देवता पाटदेव, बूढ़ादेव, शंकर जी और काली मां हो सकते हैं। किसी व्यक्ति को देव से अपनी बात कहनी होती है, समस्या बतानी होती है, तो कह सकता है। आदिवासी यह मानते हैं कि देव उनकी फरियाद को, उनके मन की बात को जान कर निदान बता देता है। फरियादी की समस्या का निदान होने पर देवता को नारियल या बलि चढ़ा कर उनके प्रति श्रद्धा, आस्था और कृतज्ञता प्रकट करते हैं। देवता अपना चमत्कार भी दिखाते हैं, जिस पर देवता का वास होता है, वह जलती आग से भी गुजर जाते हैं। कभी लोहे की सांकल से अपने पीठ को पीट पीट कर लहूलुहान कर लेते हैं, तो कभी मुंह के आर पार लोहे की कील चुभाई जाती है। जब देवता को शांत करना होता है, तो धूप बत्ती देकर शांत किया जाता है। देवी देवता अपने लोक लौट जाते हैं। देखें देवी आव्हान मंत्र -

अजर कोठी, बंजर काया
पिंड हे प्राण,
लक्ष्मण जहीं रखे रखनार
सिंस सैतगुरु नैन
बारा बारी बंगला, बदिया
नाम सुरसति खड़ा हो....

सुरता
बजरंग लाल लोहिया

आल्हा गायन के निपुण कलाकार रहे: जलसाय पटेल

सरायपाली अंतर्गत ग्राम बानी गिरोला के निवासी जलसाय पटेल थे। उनके पिता का नाम होलधर था। वे इस क्षेत्र में प्रसिद्ध आल्हा गायन के रूप में जाने गए। वह मूलतः कृषक थे। इस क्षेत्र में पहले आल्हा गायन की प्रस्तुति अधिक होती थी। वे बाल्यकाल से ही ग्रामीण परवेश में रहते हुए भी गायन के प्रति उनका अधिक रुझान था। इसके साथ ही वे मांदर वादन के साथ ही करमा नृत्य में निपुण थे। आल्हा प्रस्तुतीकरण की प्रेरणा उन्हें धमाल नाम के गुरु से मिली थी। वीर काव्य में वीर रस का प्रस्तुतिकरण एवं उसकी मौलिकता को सफल बनाने में मंचस्थ करने की कला में वे माहिर थे। जलसाय जी लोगों की इच्छा के अनुरूप आल्हा काव्य के किसी भी खंड का गायन करते थे। काव्य की पंक्तियां उन्हें कंठस्थ थी। उक्त काल खण्ड में साल्हो ददरिया, ढोला मारु आदि छत्तीसगढ़ी मनोरंजन के साधन थे। गायक जलसाय का विशेषकर अदल विवाह का प्रसंग लोकप्रिय रहा। ऊदल का घोड़ा उनके कथानक का मूल स्रोत होता था। लक्ष भेद की जीवंत एवं मौलिक प्रस्तुति से लोग रोमांचित हो जाते थे।सरायपाली राजमहल में उनका गायन होता था। वे मांदर के अलावा खंजनी मंजीरा आदि बजाने में भी माहिर थे। आज भी इस ग्राम को धार्मिक ग्राम के रूप में जाना जाता है जहां कीर्तन मंडली है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- Choupalharibhoomi@gmail.com

चिन्हारी
डा बलदेव प्रसाद मिश्र

ओड जाति मन ले बने ओड़ार बांध

ओडिशा के निवास के सम्बन्ध में ओड़ नाम की एक जाति ही बन गई है। अब इस जाति को भले ही महत्व नहीं मिल रहा हो पर किंवदंतियां इस जाति की महानता के दर्शन करा ही देती है। कहा जाता है कि एक ओड़ ओडशी थी। वन की तरह निर्बंध और वनचारियों की ही स्वच्छंद। सोलह वर्षों में ही उसे सौंदर्य की सोलह कलाएं प्राप्त हो गई थीं। न उसके पास विद्या थी न उसके पास धन था। परंतु उसके पास चरित्र था जो सौ विद्याओं से बढ़ कर होता है। राजा का मन युवती पर ठहर गया। राजा के भय से वह ओड़ार बांध तक आ गई। परंतु राजा के कुचक्र ने यहां तक पीछा किया।

यहां ओड़िया की घनी बस्ती थी। यहां पर लोगों की एकजुटता के राजा को वापस लौटना पड़ा। लेकिन राजा ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। उनकी जाति के लोग इस कन्या पर ध्यान देना भी छोड़ दिए। राजा से पीछा छुड़ाने के लिए सतीत्व का परिचय देते हुए वह जल मरी। इस घटना ने संपूर्ण ओड़िया जाति के हृदय में आग लगा दी। अब इस स्मृति को जिन्दा रखने के लिए एक ही रात में बांध का निर्माण कर डाले। उस राजा के खिलाफ भोंसला नरेशों ने बगावत की तो राजनांदगांव और खैरागढ़ नरेशों ने मामला को अपने प्रयत्नों से दबा दिया। डोंगरगढ़ के राजा को असहाय कर दिया गया

और इस स्थान पर रहने को मजबूर कर दिए। एक सती के त्याग से कई कल्याण यहां कर दिए। एक छली राजा के पश्चाताप से जल पवित्र हो गया। इस विशाल तालाब में हजारों जल जीवों ने जीवन पाया। ऐसी यह घटना ने नांदगांव नरेश महंत बलराम दास का भी हृदय अपनी ओर आकर्षित किया। महंत जी ने मछलियों का अपने नगर में आव्हान करते हुए सद्भावना के साथ बांध में एक दरार कर दी। बस, पानी की धार बह निकली। जिसके सहारे हजारों मछलियां मिलों की मंजिल पार कर बात बात में रानी सागर पहुंच गई। मानों सती ने स्वतः अपना जीवित आशीर्वाद महंत जी के किले तक पहुंचा दिया। बांध को ठीक कर दिया गया है, परंतु धार से निकला निशान अब तक देखे जा सकते हैं।

लोक साहित्य : डा कांति कुमार

छत्तीसगढ़ी का उद्भव काल

छत्तीसगढ़ी के उद्भव और उसके काल के बारे में कहा जाता है कि छत्तीसगढ़ी इस अंचल की अतिशय बोली या भाषा नहीं है। छत्तीसगढ़ी हैहयवंशी नरेशों तथा गोंडवाना राज्य के नरेशों के राजत्वकाल में जन्मी और पली बढ़ी। कहा जाता है कि रतनपुर नरेश कल्याण साय के पूर्व छत्तीसगढ़ी का नाम ही नहीं था। जॉर्ज ग्रियर्सन ने छत्तीसगढ़ी के इस दंडकारण्य में आगमन का मार्ग जबलपुर मंडला का क्षेत्र बताया है जिसने कालांतर में अपने परिपार्श्व एवं परिपेक्ष्यीय प्रभावों को लेकर एक स्वतंत्र रूप अख्तियार कर लिया।

छत्तीसगढ़ न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से मिश्रित या इंद्रधनुषी संस्कृति का प्रदेश है, प्रत्युत भाषाई दृष्टि से भी यह बहुलतावादी भाषिक प्रदेश है। छत्तीसगढ़ में आर्य, निषाद और द्रविड़ तीनों वर्गों की भाषा एवं संस्कृतियों का सह अस्तित्व है। छत्तीसगढ़ क्षेत्र में निषाद एवं द्रविड़ परिवार की अनेक आदिम वन प्रजातियां निवास करती हैं। इन प्रजातियों में कुरकु, खरिया, गदबा,शबरी, कुरुख, गोंड, दोरला, धुरबा और परजा प्रमुख हैं। इन प्रजातियों की विशेषता है कि यह सभी अपनी आदिम बोली के साथ साथ छत्तीसगढ़ी का भी ध्यान रखती हैं और अपनी प्रजाति के बाहर का समस्त लोक व्यवहार छत्तीसगढ़ी के माध्यम से ही सम्पन्न करती हैं।

छत्तीसगढ़ में आग्नेय अथवा द्रविड़ भाषा भाषी व्यक्ति को ही छत्तीसगढ़ी आती है। अतः छत्तीसगढ़ की संपूर्ण जनता चाहे मातृ भाषा के रूप में हो या

सरोकार संपर्क भाषा के रूप में हो, छत्तीसगढ़ी का व्यवहार करती हैं। छत्तीसगढ़ी, छत्तीसगढ़ से बाहर अन्य रूपों में मंडला, भंडारा, बालाघाट, चांदा, संबलपुर और छोटा नागपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में बोली समझी जाती हैं। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ी श्रमिकों द्वारा देश विदेश में भी प्रयुक्त होती हैं। छत्तीसगढ़ के श्रमिकों का बड़े लंबे समय से आजीविका के लिए देशांतर गमन होता रहा है। यहां के लोग बड़ी संख्या में असम और पूर्वोत्तर राज्यों के चाय बागानों, जमशेदपुर के इस्पात संयंत्र तथा पंजाब - कश्मीर के ईट भट्टों में रोजगार के लिए प्रवासित होते रहे हैं। उनके साथ उनकी भाषा और संस्कृति का भी प्रवर्जन हुआ है। यह भी विदित है कि आज छत्तीसगढ़ के लोग विश्व के अनेक देशों में बस गए हैं और वहां वे अपने पारिवारिक परिसर में छत्तीसगढ़ी का व्यवहार करते हैं। कहा जाता है कि अफ्रीका के हीरा खदानों में भी छत्तीसगढ़ के श्रमिक लंबे समय से कार्यरत हैं। वहां भी उन श्रमिकों द्वारा छत्तीसगढ़ी का व्यवहार किया जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ी भाषा बहुसंख्यक छत्तीसगढ़ियों द्वारा प्रयुक्त होती हैं। इसका व्यवहार क्षेत्र पर्याप्त विस्तृत है।

ऐतिहासिक
डा. पुष्पा तिवारी

कल्चुरी काल में छत्तीसगढ़ की सामाजिक व्यवस्था

कल्चुरीकालीन छत्तीसगढ़ी समाज शनैः शनैः परिष्कृत और परिमार्जित होते होते पूर्ण रूपेण सुसंस्कृत और सभ्य हो चुका था। जहां सभी प्रकार की कलाओं को मुखरित होने का भरपूर अवसर मिला। साक्ष्य इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। ऋग्वेद काल से भी पहले उत्तरीय भारत तुलनात्मक रूप से अधिक सभ्य माना जाता था। किन्तु यह सभ्यता जैसे जैसे दक्षिण की ओर आगे बढ़ने लगी इसके साक्ष्य कम होते गए। फिर भी विक्रम खोल के चरित्र की प्राचीन कालीन समानता दर्शाती है कि दक्षिण कोसल अर्थात कल्चुरीकालीन छत्तीसगढ़ पर सामाजिक सांस्कृतिक जीवन पद्धति को नदी घाटी सभ्यता को पूर्णतः प्रभावित किया था। इस क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास पर दृष्टि डालने से ज्ञात होता है कि आर्यों ने विंध्य के दक्षिण में प्रवेश किया था तथा यही

दक्षिण कोसल का क्षेत्र था। अतः यह कहा जा सकता है कि समाज की धारणा, उसका संगठन, मूल्य, प्रथाएं, परंपराएं, नीतियां, आचार विचार, विश्वास आदि आर्यों द्वारा समाज को दी गई देन हैं। प्रत्येक समाज की भांति इस क्षेत्र के तत्कालीन समाज में वर्ण व्यवस्था तथा आश्रम व्यवस्था आर्यों के सामाजिक संगठन रूपी रथ के दो पहिए थे जो एक युग से दूसरे युग तक निरन्तर गतिमान थे। वर्ण व्यवस्था परंपरागत सामाजिक व्यवस्था थी, जहां समाज को सुसंगठित , सुदृढ़ और सुनियोजित बनाए रखने का प्रयास किया जाता था।

जनजाति विशेष : एम एस पैंकरा

कंवर जनजाति की सामाजिक संरचना

कंवर जनजातियों में पितृवंशीय, पितृसत्तात्मक एवं पितृस्थानीय सामाजिक व्यवस्था पाई जाती है। यह समुदाय विभिन्न अंतः विवाहीय उपजातियों में विभक्त है। यह जनजाति मुख्य रूप से तंवर, राठिया, पैंकरा, चेरवा, दुध कंवर आदि उप जातियों में विभक्त है। कंवर जनजाति का एक वर्ग जो बिलासपुर के कोरबा, पेंड्रा, छुरी, लाफा, उपरोड़ा आदि जमींदारियों में जमींदारी प्राप्त किए थे, तंवर या क्षेत्रिय कहलाते हैं और स्वयं को कंवर जनजाति की अन्य उपजातियों से उच्च मानते हैं। यह वर्ग अपने रीति रिवाज, सामाजिक नियम आदि राजपूत क्षत्रियों के समान होना मानते हैं।

कंवर जनजाति के सामान्य कृषक कंवर या सिरदार कहलाते हैं। राठिया उपजाति मुख्यतः सरगुजा जिले में निवास करते हैं। पैंकरा कंवर रतनपुर के हैहयवंशी राजा के सेना में सैनिक थे ऐसा माना जाता है। कमलवंशी कंवर प्रारंभिक कंवर जनजाति के मूल लोग माने जाते हैं। दुध कंवर उपजाति को कालोनिल डाल्टन ने कंवर जनजाति

का क्रीम कहा है। इनका स्थान तंवर के बाद माना जाता है।

कंवर जनजाति में एकल एवं संयुक्त परिवार पाए जाते हैं। इनमें रक्त एवं विवाह नातेदारी व्यवस्था की प्रधानता होती है। समुदाय में परिहास एवं परिहार संबंधों का पालन किया जाता है, साथ ही माध्यमिक संबोधन का उपयोग भी बहुतायत में किया जाता है। पारिवारिक सदस्यों के बीच मधुर संबंध पाए जाते हैं और एक निश्चित सीमा तक अंतर्जातीय सहसम्बन्ध मान्य है।

दलीप ट्रॉफी 2025 का आगाज 28 से, रोमांचक मैचों की श्रृंखला होगी शुरू

किशन ईस्ट, शार्दुल वेस्ट, तिलक साउथ और शुभमन बने नॉर्थ जोन के कप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 28 अगस्त से हो जाएगी। इस घरेलू टूर्नामेंट में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करने वाले शुभमन गिल नॉर्थ जोन का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगे।

बता दें कि उनके नेतृत्व में खेलते हुए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 आखिर में 2-2 से बराबर रही थी। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट की टीमें, शेड्यूल घोषित हो गया है। सभी मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे।

28 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट

28 अगस्त को दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहले क्वार्टर फाइनल मैच में नॉर्थ जोन का सामना साउथ जोन से होगा। इसके बाद दूसरे क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन और साउथ जोन की टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद 4 सितंबर से दोनों सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आखिर में 11 सितंबर से फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह सभी मैच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-ए और बी, बेंगलुरु में खेले जाने तय हैं।

साउथ जोन

टीम : तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उपकप्तान), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीसन, त्रिपुराना विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैश्यक, निधिश एमडी, रिकी भुई, बासिल एनपी, गुरजापनीत सिंह, और स्नेहल कौथंकर।

ईस्ट जोन

टीम: ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप और मोहम्मद शमी।

वेस्ट जोन

टीम: शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे और अर्जन नागवासवाला।

सेंट्रल जोन की कप्तानी करेंगे ध्रुव जुरेल

टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान/ विकेटकीपर), रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार और खलील अहमद।

नॉर्थ जोन

टीम: शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उपकप्तान), आयुष बडोनी, यश दुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन।

एशिया कप की टीमें 30 तक बदल सकती हैं खिलाड़ी

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। यह टूर्नामेंट इस बार 9 सितंबर से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी और दुबई में खेला जाएगा। खास बात यह है कि इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में होगा, जो कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले सभी टीमों के लिए एक बेहतरीन तैयारी का मौका होगा। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। खास बात यह है कि एसीसी ने भाग ले रहीं टीमों को 30 अगस्त तक छूट दी है कि वे अपने स्क्वाड में बिना अनुमति के बदलाव कर सकती हैं।

राइफल निशानेबाज सिफत को एशियाई चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| शिमकेंट (कजाखस्तान)

ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में मंगलवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण जीतने के साथ भारत को टीम स्पर्धा में भी पीला तमगा दिलाया। विश्व

रिकॉर्डधारी सामरा ने फाइनल में 459 . 2 स्कोर करके चीन की यांग यूजी (458 . 8) को हराया। वहीं सामरा, अंजुम मुद्गिल और आशी चौकसे की तिकड़ी ने टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। एशियाई चैम्पियनशिप में यह सामरा का चौथा स्वर्ण है। वह आठ निशानेबाजों के फाइनल में 589 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में पहुंची थी।

ग्रैंडस्लैम एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बने वोंग

न्यूयॉर्क। इक्कीस वर्ष के कोलमैन वोंग 1968 के बाद से ओपन युग में किसी ग्रैंडस्लैम में एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। वोंग ने अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा मेरे लिये यह बड़ा पल है। मेरे

परिवार और हांगकांग के लोगों के लिये भी।''वोंग के आदर्श रफेल नडाल हैं और उनका परिवार स्पेन जा बसा था ताकि वह राफा नडाल अकादमी में प्रशिक्षण ले सकें। वोंग ने कहा ,''यह टूर्नामेंट हर टेनिस खिलाड़ी का सपना है। हर खिलाड़ी यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। मैं इस लय को कायम रखना चाहता हूं।

वित्तीय सेवाएं विभाग
DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES
इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
3 महीने
वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान
(1 जुलाई 2025-30 सितंबर 2025)
देश भर में कुल 2.7 लाख शिविर
प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर
शिविरों में दी जाने वाली सुविधाएं
- शून्य शेष राशि पर पीएमजेडीवाई खाता खोलना, कोई शुल्क नहीं और ₹2 लाख के दुर्घटना बीमा के साथ निःशुल्क डेबिट कार्ड
- PM Jeevan Jyoti Bima Yojana: केवल ₹436 प्रति वर्ष के प्रीमियम पर 2 लाख के जीवन बीमा कवर के लिए पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन (पात्रता: 18-50 वर्ष)
- PM Suraksha Bima Yojana: केवल ₹20 प्रति वर्ष के प्रीमियम पर ₹2 लाख के दुर्घटना बीमा कवर के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में नामांकन (पात्रता: 18-70 वर्ष)
- Atal Pension Yojana: ₹1000 से ₹5000 प्रति माह तक की गारंटीकृत पेंशन के लिए अटल पेंशन योजना की सदस्यता (पात्रता: 18-40 वर्ष)
- 10 या उससे अधिक वर्ष पहले खोले गए बचत खातों और पीएमजेडीवाई खातों तथा निष्क्रिय खातों के लिए भी पुनः केवाईसी करवाएं।
- डिजिटल धोखाधड़ी से खुद को कैसे बचाएं और RBI द्वारा दावा न किए गए जमा में स्थानांतरित धन का दावा कैसे करें, इस बारे में जानकारी प्राप्त करें
अधिक जानकारी के लिए कृपया अपनी निकटतम बैंक शाखा / बीसी से संपर्क करें
इस मुहिम में शामिल हों। इसका प्रचार-प्रसार करें। बीमा करवाएँ
जनसुरक्षा योजना नामांकन, खाता खोलने, पुनः केवाईसी और धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए प्रत्येक पंचायत में शिविर पर जाएँ।
बैंक आपके दरवाज़े पर लाभ उठाएँ

Ground Se Terrace Tak
Pura Space Aapka
RIGHT AT THE CENTER OF RAIPUR

Our unique **'Ground to Terrace'** concept allows you to use every inch of your space right from the ground floor to terrace as per your needs.. so that your business soars high.
Hi-tech, Spacious & Elegant **Commercial Spaces** with all the modern amenities.
ARIHANT Arcade
Joy of doing business
BESIDE SHYAM MARKET, PANDRI CLOTH MARKET, PANDRI, RAIPUR
SCAN FOR LOCATION
• Atul Palliwal - 8889220007
• Jethanand Parwani - 7000144883
• Ramkrishna Naidu, Jagdalpur - 8319745482
• Vikas Kotwani, Tilda - 9827962323
• Subhash Bajaj - 9827112800
• Mahendra Singh Hora - 9826115846
• Honey Arora, Jagdalpur - 9425261162
• Pappu Sahu, Mahasamund - 8319923005
• Abhash Sharma - 9977956214
• Vicky Ratnani - 9301780918
• Golu Sharma, Dhamtari - 9827194300
• Sunny Chhabda, Kawardha - 8349347171
MAHESHWARI

जगदलपुर/दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा जिला अपनी धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए भी पूरे विश्व में विख्यात है। बारसूर गांव में एक ही स्थान पर 147 प्राचीन मंदिर मौजूद हैं। इन मंदिरों में भगवान शिव, विष्णु, पार्वती और गणेश की अद्भुत प्रतिमाएं स्थापित हैं। खासकर जुड़वा गणेश की प्रतिमा, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग पहुंचते हैं।

दुनिया में अनोखी! एक पत्थर से तराशी गई गणपति की जुड़वा मूर्तियां

जुड़वा गणेश

बारसूर गांव को देवनगरी कहा जाता है, क्योंकि यहां रियासत काल में 147 मंदिर और 147 तालाब थे। आज भी यहां के मंदिर इतिहास और आस्था का संगम पेश करते हैं। इस देवनगरी में विश्व की तीसरी बड़ी भगवान गणेश की प्रतिमा है। जिसे जुड़वा गणेश कहा जाता है।

जुड़वा गणेश की अद्भुत प्रतिमा

बारसूर का गणेश मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां एक ही पत्थर पर बनी जुड़वा गणेश की प्रतिमा है, जो हजार साल पुरानी बताई जाती है। यह प्रतिमा दुनिया की पहली और एकमात्र जुड़वा गणेश प्रतिमा है।

विशालकाय गणेश मूर्तियां

मंदिर में भगवान गणेश की दो प्रतिमाएं हैं। एक 7.5 फीट ऊंची और दूसरी 5.5 फीट ऊंची। दोनों प्रतिमाएं मोनोलिथिक हैं, यानी इन्हें एक ही विशाल पत्थर से गढ़ा गया है। इसे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा माना जाता है।

चित्रलेखा की भगवान गणेश के प्रति आस्था

कहा जाता है कि 11वीं शताब्दी में बस्तर के नागवंशी शासक राजा बाणासुर ने यह प्रतिमा बनवाई थी। यह उनकी बेटी उषा और मंत्री कुभांडु की बेटी चित्रलेखा की भगवान गणेश के प्रति आस्था का प्रतीक है।

श्रद्धालु

इस गणेश चतुर्थी पर जुड़वा गणेश मंदिर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। बस्तर भ्रमण करने वाले पर्यटक यहां आकर इस अनोखी प्रतिमा और मंदिर की भव्यता का अनुभव जरूर करते हैं।

रोचक खबरें

ऑस्ट्रेलिया में मिला 1.6 करोड़ साल पुरानी मकड़ी का जीवाश्म

सिडनी। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में एक दूर-दराज की जगह पर वैज्ञानिकों की एक टीम ने बहुत ही पुरानी मकड़ी का जीवाश्म खोजा है। इसे जिस तरह से बचाया गया है और इसका आकार इतना खास है कि इसने वैज्ञानिकों के इस महाद्वीप पर मकड़ियों के विकास को देखने का नजरिया ही बदल दिया है। यह मकड़ी डायनासोर के खत्म होने के बहुत बाद तक जिंदा रही। इसकी बनावट इतनी शानदार है कि इसकी तुलना ऐसे शिकारी से की जा रही है, जो पुराने समय में बड़े-बड़े जीवों के बीच भी रह सकता था।

यह जीवाश्म न्यू साउथ वेल्स के मैकग्राथ्स फ्लैट में मिला है और यह नई प्रजाति कि ट्रैपडोर मकड़ी का है जिसका नाम मेगामोनोडोंटियम मैक्लुस्की है। यह मकड़ी 23 मिलीमीटर से भी ज्यादा लंबी है, जो ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली आज की मकड़ियों से 5 गुना बड़ी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह आस्ट्रेलिया में मिली अब तक की सबसे बड़ी जीवाश्म मकड़ी है। ऑस्ट्रेलिया में अब तक सिर्फ 4 मकड़ियों के ही जीवाश्म मिले हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये 1.1 से 1.6 करोड़ साल पहले मौजूद था।

कैसा हुआ करता था ये इलाका?

यह जीवाश्म न्यू साउथ वेल्स में गुलगॉन्ग के पास मैकग्राथ्स फ्लैट नाम की जगह पर मिला है। इस जगह पर हाल ही में मायोसीन युग के कई जीवाश्म मिले हैं। आज इस क्षेत्र में खुले घास के मैदान हैं, लेकिन जब यह मकड़ी जिंदा थी तब यह हरा-भरा वर्षावन हुआ करता था। जीवाश्म विज्ञानी डॉ. मैथ्यू मैककरी ने बताया कि, ऐसे जीवाश्म सिर्फ एक-एक नमूना नहीं देते बल्कि पूरे जैविक का इतिहास बताते हैं।

भीलवाड़ा में अनोखी परंपरा निभाई, अच्छी बारिश के बाद गधों को गुलाब जामुन की दावत!

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में इस बार मानसून ने जमकर मेहरबानी दिखाई है। इंद्र देवता की कृपा से खेत-खलिहानों में हरियाली लौट आई है और किसानों के चेहरों पर मुस्कान खिल गई है। इसी खुशी को व्यक्त करने के लिए जिले के गंगापुर-सहाड़ा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत महेंद्रगढ़ में ग्रामीणों ने एक अनोखी परंपरा निभाई है। अच्छी बारिश होने के बाद आभार जताने के लिए गांव में गधों को गुलाब जामुन की दावत दी गई हैं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए और गधों को सजाकर, तिलक लगाकर, माला पहनाकर व उनकी आरती उतारकर खुशियां बांटीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस अद्भुत नजारे का आनंद लिया और तालियां बजाकर अपनी खुशी जाहिर की। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा बहुत पुरानी है, मान्यता है कि जब बारिश नहीं होती तो गधों को खास तौर पर याद किया जाता है और उन्हें दावत देकर खुश किया जाता है। कहा जाता है कि गधों के सम्मान से भगवान इंद्र प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है। यही कारण है कि ग्रामीणों ने संकल्प लिया था कि यदि गांव में झमाझम बरसात होगी तो गधों को गुलाब जामुन खिलाए जाएंगे।

कोलंबिया में मिली इंसानों की 6000 साल पुरानी प्रजाति, डीएनए रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा

बोगोटा। कोलंबिया के वैज्ञानिकों ने बोगोटा के पास खुदाई में मिले प्राचीन अवशेषों के डीएनए की पूरी जांच करने के बाद इंसान की नई प्रजाति की खोज की है। इसके बारे में पहले कोई भी जानकारी मौजूद नहीं थी। वैज्ञानिकों ने इस समूह को चेकुआ नाम दिया है, जो करीब 6,000 साल पुराना है। इससे पहले कभी भी इनके जीन की पूरी जांच नहीं की गई थी। नेशनल यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट ने इस पर और कई सारी जानकारियां दी हैं। नेशनल यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट की रिसर्चर डॉ. एंड्रिया कासा ने बताया, जब हमने इसकी तुलना अमेरिका के दूसरे हिस्सों से मिले जीवों से करना शुरु की को पता चला कि कुंडीबॉयसेन्स पठार पर मिले ये जीव एक ऐसे वंश के थे , जिनके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली थी, यह एक नया वंश है। चेकुआ में हुई इस खोज में 30 लोगों के अधूरे अवशेष और एक लगभग सही-सलामत खोपड़ी मिली है। इस समूह के 6 लोगों के डीएनए की जांच पूरी हो चुकी है, जिन्हें 1987 और 2003 के बीच अलग-अलग खोजों में मिले अन्य अवशेषों के साथ इस प्रोजेक्ट में शामिल किया गया था।

छत्तीसगढ़ का सर्वप्रथम
लेसर फेशियल
कम दरों में
चेहरे की झुर्रियां, दाग-धब्बे से छुटकारा पाएं, चेहरे में चमक लायें
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के ऊपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

एआई से बनी लगती है दुनिया की सबसे दुर्गम लाइब्रेरी, चट्टान पर लगी हैं किताबें!

बीजिंग। इंसान जहां रहता है वहां सारी सुविधाएं भी चाहता है। वह चाहता है कि इन सुविधाओं के साथ उसे कुदरत का साथ भी मिले तो कितना अच्छा होगा। यही वजह है कि शहर यूं तो सुविधाओं से भरपूर होते हैं, फिर भी बहुत से लोग शहरों को पसंद नहीं करते हैं। वे कुदरत के समीप रहने के साथ ही शांति और एकांत भी चाहते हैं, जो उन्हें शहरों में नहीं मिल सकता है। लाइब्रेरी भी ऐसी जगह है जहां लोग शांति से पढ़ना चाहते हैं और वहां दुनिया की हर किताब पढ़ने को मिल सके। फिर भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की पहुंच बनी रहे लाइब्रेरी बहुत दूर या एकांत में नहीं बनाई जाती है। पर चीन के गुआंक्सी प्रांत के मियानहुआ गांव के पास स्थित मियानहुआ लाइब्रेरी एक अनोखा पुस्तकालय है, जिसे चट्टान की दीवार में बनी एक बड़ी गुफा में बनाया गया है।

अलग ही नजारा दिखता है बाहर से

यहां पहुंचने से पहले आपको बिल्कुल भी अहसास नहीं होगा कि आप किसी लाइब्रेरी में जा रहे हैं। बाहर से देखने पर आपको लगेगा कि चट्टानों पर लटकने वाले लकड़ी के रास्ते और बालकनियां बनाई गई हैं। लेकिन, अंदर पहुंचने के बाद हालात बिल्कुल ही अलग नजर आते हैं। आपको दीवार पर हजारों की संख्या में किताबें ही किताबें रखी नजर आती हैं।

खासे रखरखाव की जरूरत

दिलचस्प बात ये है कि लाइब्रेरी पूरी तरह से गुफा के अंदर नहीं है। इसके चट्टान की तरफ के रास्ते और किताबें रखने की जगहों को मौसम, खास तौर से नमी ने बचा कर रखना होता है। किताबों को खास तौर से नम हवा से बचाने में मशक्कत करनी होती है। यहां तक कि तापमान भी कायम रखना होता है।

इसी साल खुली है ये लाइब्रेरी

खास बात ये है कि ये लाइब्रेरी इस साल मई में खुलने के बाद से ही चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। आमतौर पर लाइब्रेरी ऑनलाइन चर्चा का विषय नहीं बनतीं, लेकिन यह साधारण लाइब्रेरी नहीं है। यह न केवल पुस्तक प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि उन यात्रियों के लिए भी खास जगह है जो मनमोहक नजारों की तलाश में रहते हैं।

टूरिस्ट प्लेस के तौर पर ज्यादा मशहूर

ऐसा नहीं है कि यह चट्टान किसी शहर में या शहर के पास है। मजेदार बात ये है कि ये पूरी तरह से ग्रामीण इलाके में बनी हैं। स्थानीय लोग तो इस लाइब्रेरी में तो आ सकते हैं, लेकिन यह लाइब्रेरी पुस्तकालय के रूप में नहीं, बल्कि एक टूरिस्ट प्लेस के तौर पर ज्यादा मशहूर हो रही है। यहां चीन के कोने-कोने से लोग आते हैं और यहां के कुदरती नजारे उन्हें निराश भी नहीं करते हैं।

एआई का नहीं है कमाल

जी हां, यहां आकर आप कुदरत के अनूठे नजारों का आनंद ले सकते हैं। दिलचस्प बात ये है कि हरी-भरी वादियों से घिरी ये लाइब्रेरी ऊंची चट्टान के किनारे बसा हुआ है। देखने में ऐसा लगता है मानो इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया गया है। लेकिन ,असल में यह चट्टानों को काट कर बनाई गई है।

नींद में भी लाखों कमा रही महिला, सोता देखने के लिए लोग देते हैं रुपए

ब्रासीलिया हवे। आजकल पैसे कमाना काफी आसान है बस आपको कमाने का सही तरीका पता होना चाहिए। एक महिला सिर्फ नींद में लाखों कमा ले रही है। ये एक कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर है, जिसे सोता देखने के लिए लोग लाखों रुपए खर्च कर दे रहे हैं। महिला ने अब अपनी लाइफ के बारे में बताया है। आप भी कमाने का ये तरीका जानकर हैरान हो जाएंगे. आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट ने कंटेंट क्रिएशन को एक अलग ही आयाम दे दिया है। कभी सिर्फ मनोरंजन के लिए बनाई जाने वाली सामग्री अब करोड़ों की कमाई का जरिया बन चुकी है। इसी कड़ी में ब्राजील की एक 32 वर्षीय इन्फ्लुएंसर डेबोरा पिक्सोटो का नाम सामने आया है, जो अपनी अनोखी स्ट्रीमिंग के जरिए सुर्खियों में हैं। डेबोरा दावा करती हैं कि उनके फैंस उन्हें सिर्फ सोते हुए देखने के लिए पैसे चुकाते हैं। उनका कहना है कि लोग उन्हें रात भर सोते हुए लाइव देखने के लिए 84 पाउंड (लगभग 115 डॉलर यानी करीब 9,500 रुपए) तक खर्च करने को तैयार हैं। डेबोरा ने इसे अपना 'नाइट टाइम रियलिटी शो' नाम दिया है, जिसमें हर रात करीब 40 लोग उनके सोने का लाइव दृश्य देखते हैं।

9 हजार से ज्यादा रुपए करती है चार्ज

डेबोरा बताती हैं कि शुरू में उन्हें यह सब अजीब लगा, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने महसूस किया कि उनके दर्शकों को इसमें एक अलग तरह की शांति और अपनापन महसूस होता है। उनके मुताबिक, कई पुरुष उन्हें मैसेज भेजकर कहते थे कि उन्हें कुछ करने की जरूरत नहीं है, सिर्फ वहां खामोशी में मौजूद रहना ही काफी है।

विज्ञान ने भी माना...हिमालयी जड़ी बूटियों में है बीमारियों का इलाज

नई दिल्ली। सदियों से आदिवासी हिमालय के औषधीय पौधों में पाई जाने वाली दवाई के तत्वों का इस्तेमाल इलाज के लिए करते आ रहे हैं। अब इस पुराने इलाज के तरीकों को वैज्ञानिकों की मान्यता मिल गई है। यह रिसर्च शूलिनी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राधा ने की है। उनकी रिसर्च एथनोफार्माकोलॉजी और केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी जैसी बड़ी पत्रिकाओं में छपी है। इस रिसर्च से हिमालय की जनजातियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक तरीके सही साबित हुए हैं। यह अहम खोज बॉम्बैक्स सीबा के फूलों पर हुई है। आदिवासी समुदाय लंबे समय से इन फूलों का इस्तेमाल अस्थमा, बुखार, घाव और पाचन से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए करते आ रहे हैं।

इन नतीजों से क्या साबित होता है?

सूजन को कम करने और कोशिकाओं को ठीक करने में असरदार इन तत्वों की वैज्ञानिक मान्यता मिलने से ये साबित होता है कि, इन फूलों का इस्तेमाल सांस से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए खास तरह के खाने से लेकर सप्लीमेंट्स बनाने में भी किया जा सकता है। इसके अलावा एक जरूरी रिसर्च प्रिंसेपिया यूटिलिस नाम के पौधे पर की गई। इस पौधे का इस्तेमाल पारंपरिक तौर पर घाव भरने और त्वचा की देखभाल करने के लिए किया जाता है।

महिलाओं के लिए बने 5 अजीबोगरीब कानून जो सुनने में आपको लग सकते हैं मजाक

नई दिल्ली। यमन देश के कानून में महिलाओं को 'आधा गवाह' माना जाता है। यानी कि यमन की अदालतें महिलाओं की गवाही को पूरा नहीं मानती। अगर इन्हें पुरुष का समर्थन ना मिले तो उनकी गवाही को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

पति की मर्जी के बिना नहीं मिलता तलाक: इजराइल में जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, इजराइल में कानूनी अदालतें यहूदी कानून के आधार पर चलती हैं। यहां जो महिलाएं अपने पतियों से तलाक लेने की कोशिश करती हैं, उन्हें पहले अपने पति से मंजूरी लेनी होती है।

पुरुषों के खेल से दूर: ईरान में मौजूद इस्लाम धर्म गुरुओं के मुताबिक, महिलाओं को पुरुषों के खेल से दूर रहना चाहिए। जिस कारण यहां की महिलाएं मैदान में जाकर फुटबॉल मैच नहीं देख सकतीं।

रूस : महिलाओं को कुछ खास नौकरियां (जैसे मेट्रो ड्राइवर, जहाज के डेक पर काम, खतरनाक फैक्ट्री जॉब्स) करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन 2021 में इन पर लगे कई प्रतिबंध हटाए दिए गए हैं।

मशीन नहीं कर सकतीं ठीक: पाकिस्तान में महिलाओं को मशीनों को ठीक करने की इजाजत नहीं है। यहां कानून बनाने वाले लोगों को ऐसा लगता है कि ये काम सिर्फ पुरुषों का है, इसलिए महिला को इससे दूर रहना चाहिए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com